आवश्यकता है

दैनिक गुरु एक्सप्रेस

गुरु एक्सप्रेस की प्रिंटिंग यूनिट पर रात्रि के समय 11 से 3 बजे तक काम करने वाले युवक (हेल्पर)की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार

संपर्क

संपर्क समय- शाम 4 से 6 बजे तक

कार्यालय दैनिक गुरु एक्सप्रेस

9425105928. 8319964648

डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 139 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | गुरुवार 29 फरवरी 2024 | मूल्य 2 रुपया

नियम कायदे ताक पर रख चल रही 108 एंबुलेंस

सिर्फ ऑक्सीजन सिलेंडर के साथ बन गई रोगी परिवहन गाड़ी, निजी एंबुलेंस को पौने दो सौ नियम कायदों का पढ़ाया था पाठ

मंदसौर, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। लगभग 20 माह पहले यातायात पुलिस ने करीब 17 निजी एंबुलेंसों को जब्त किया था। उनमें से कुछ तो अभी भी थाने पर ही खड़ी है। इनसे स्वास्थ्य विभाग ने दवाईयों सहित करीब पौने दो सौ संसाधन होने पर ही छोड़ने के लिए हरी झंडी देने की बात कहीं। संचालको ने जुगाड़-तुगाड़ से एंबुलेंस छुड़वा ली। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार पौने दो सौ संसाधनों की अनिवर्यता ही एंबुलेंस की परिभाषा है। लेकिन, इस परिभाषा पर जिले में चल रही एक दर्जन 108 एंबुलेंस खरा नहीं उतर पा रही। जिले में करीब चालीस 108 चल रही है। जिसका काम प्रसूताओं को लाना और दुर्घटना में घायलों को अस्पताल तक पहुंचाना है। कुल मिलाकर 108 शुरु करने के पीछे की सरकार की मंशा जिले में पूरी नहीं हो पा रही। जिले में संचालित कई एंबुलेंस में इक्यूपमेंट भी नहीं हैं। पल्स ऑक्सीमीटर, बीपी स्टूमेंट, थर्मामीटर, ग्लूकोमीटर, सरवाइकल कॉलर, अंबु बेग, डिलेवरी किट सहित अन्य उपकरण भी नहीं हैं, जिससे ईएमटी को इलाज करने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सबसे ज्यादा परेशानी प्रसूताओं की...

जिले भर में जननी एक्सप्रेस की वजाय अब प्रसूताओं को 108 एंबुलेंस से ही अस्पताल प्रसव के लिए लाया जाता है। कई एंबुलेंस में डिलेवरी किट तक नहीं हैं, जिससे प्रसूताओं का प्रसव कराने में उन्हें परेशानी होती है। कई बार तो इतनी इमरजेंसी होती है कि आनन फानन में प्रसूता को अस्पताल लाना पड़ता है।

केमिकल के बजाय पानी से धोते...

108 एंबुलेंस के स्ट्रेचर व अन्य उपकरणों को संक्रमणमुक्त करने के लिए हर 15 दिन में गर्म पानी व केमिकल से साफ करना होता है, लेकिन पायलट व ईएमटी अपने स्तर पर सिर्फ पानी से धोकर साफ करते हैं।

इन जरुरी उपकरणों का काम...

पल्स आक्सीमीटर- एंबुलेंस में घायल व्यक्ति की पल्स जांचने के लिए इस उपकरण की आवश्यकता होती है। कई 108 एंबुलेंस में यह नहीं है।

ग्लूकोमीटर- पेशेंट्स ब्लड शुगर जांचने के लिए ग्लूकोमीटर जरूरी है। कई एंबुलेंस में यह नहीं है। वहीं कुछ में शुगर स्टिक भी नहीं है।

सक्शन मशीन- दुर्घटना में घायल या अन्य स्थिति में गंभीर मरीज के गले से कफ या जमा खून को निकालने में सक्शन मशीन की जरूरत होती है।कई एंबुलेंस में यह भी नहीं है।

इनका कहना...

संसाधन आ चुके हैं। जिन एंबुलेंस में संसाधनों की कमी है। उनमें संसाधन जल्द ही लगाकर व्यवस्था की जाएगी।

निलेश चौहान, जिला प्रभारी, 108 एंबुलेंस

अधिकारियों की हिटलरशाही: सदस्यों ने की जिपं में तालाबंदी

रेत डले चैनल गेट पर लगाया जाम, दिया धरना

मंदसौर, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। भ्रष्टचार, विभागीय समीक्षा और समय पर बैठक ना होने, वर्ष 23-24 की 15वें वित्त की कार्ययोजना की राशि का वितरण नहीं होने जैसे कई मुद्दों पर बुधवार को जिला पंचायत में जमकर हंगामा हुआ। दरअसल, कांग्रेस समर्थित जिला पंचायत सदस्य दीपक सिंह गुर्जर, भोपाल सिंह, जगदीश धनगर (फौजी), रामेश्वर रावत, उमराव सिंह व प्रतिनिधि कर्मवीर सिंह, रतनलाल सहित कांग्रेस सदस्यों ने जिला पंचायत कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन किया।

सभी सदस्य जिला पंचायत कार्यालय पर तालाबंदी करने गए थे। लेकिन, कर्मचारियों ने रेत डालकर चैनल गेट जाम कर दिया। जिससे काफी कोशिश के बाद भी गेट बंद नहीं हुआ तो जिला पंचायत के कांग्रेस समर्थित सदस्य कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए। मौके पर प्रभारी एसडीएम विवेक सोनकर, सीएसपी सतनाम सिंह पहुंचे। करीब डेढ़ घंटे तक धरने पर बैठे सदस्यों की मांगों को सुलझाने के आश्वासन के बाद जिला पंचायत सदस्य माने।

जिला पंचायत सदस्य दीपक सिंह गुर्जर ने बताया कि तालाबंदी करने का निर्णय जब किया जाता है, जब सारे रास्ते बंद हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि कई महीने से विभागीय समीक्षा नहीं हुई। यहां जो भ्रष्टचार करेगा उसका काम होता है। धरियाखेड़ी की सड़क भ्रष्टचार की भेंट चढ़ रही है। शिकायत के बाद भी कोई करवाई नहीं की गई। काम भी तब होता है जब टेबल के नीचे से रुपए पहुंचते हैं। उन्होंने कहा आंगनवाड़ी भवन, स्कूल यूनिफॉर्म सहित जिला पंचायत में 134 करोड़ से अधिक का घोटाला हुआ है। इसकी जांच होना चाहिए, लेकिन कोई सुनता नहीं।

जिला पंचायत अध्यक्ष भी नाराज...

जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा डॉ. विजय पाटीदार ने कहा कि जिला पंचायत में बीती 20 दिसंबर को साधारण सभा की बैठक आयोजित की गई थी। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मंदसौर द्वारा उक्त बैठक के कार्यवाही विवरण पर लगभग डेढ़ माह तक हस्ताक्षर नहीं किए गए। जिसकी शिकायत अपर मुख्य सचिव पंचायती राज संचनालय भोपाल को की गई। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मंदसौर द्वारा हस्ताक्षर नहीं करने की वजह से जनवरी माह में साधारण सभा की बैठक आयोजित नहीं हो सकी। मेरे द्वारा 12 फरवरी को पत्र के माध्यम से मुख्य कार्यपालन अधिकारी को यह निर्देशित किया गया था कि 16 फरवरी को साधारण सभा की बैठक आयोजित करें, किंतु उन्होंने बैठक आयोजित नहीं की। आज हुए घटनाक्रम के लिए सीईओ जिला पंचायत जवाबदार हैं। पूरे घटनाक्रम से मध्य प्रदेश सरकार और उच्च अधिकारियों को पत्र के माध्यम से अवगत कराया है।

इनका कहना...

जिला पंचायत सदस्यों की मांगो के विषय में संबधित अधिकारियों को अवगत करवाया है। बैठक के सम्बंध में शिकायत थी। जो पॉइंट सामने आए हैं, उनका जल्द से जल्द निराकरण कराया जाएगा।

विवेक सोनकर
प्रभारी एसडीएम मंदसौर

मौसमः दोपहर में गरमी, सुबह-शाम ठंड बरकरार

मंदसौर, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। बार-बार मौसम में बदलाव से आमजन से लेकर किसान तक परेशान है। सुबह-शाम जहां ठंड बरकरार है, वहीं दोपहर में तेज धूप हलाकान करने लगी है। पिछले कुछ दिनों से प्रदेश में बारिश और ओलावृष्टि का स्ट्रांग सिस्टम एक्टिव रहा। मंगलवार को प्रदेश के कई क्षेत्रों में बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई। हालांकि, मंदसौर जिले में बारिश नहीं हुई। लेकिन, अगले कुछ दिनों में बारिश की संभावना बन रही है। जिले में अधिकतम तापमान 28 डिग्री व न्यूनतम तापमान 15 डिग्री के आसपास बना हुआ है।

मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार 29 फरवरी और 1 मार्च को दो पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की सम्भावना बन रही है। इस दौरान प्रदेश के 46 जिलों में बारिश और ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया है । मंदसौर जिले में भी कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। मौसम विभाग भोपाल के सीनियर वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बताया कि पिछले दिनों प्रति चक्रवाती परिसंचरन के कारण दक्षिण-पश्चिमी हवाएं ओडिशा की तरफ से आई। वहीं, ट्रफ लाइन पूर्वोत्तर अरब सागर से इंदौर संभाग से गुजरात के बीच सक्रिय थी। इस कारण भी नमी आ रही थी। इससे कहीं तेज आंधी-बारिश और ओलावृष्टि हुई। मंगलवार को एक पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव रहा। बुधवार को सिस्टम कमजोर हो गया। इससे कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। वही आज 29 फरवरी और 1 मार्च को ग्वालियर, चंबल और उज्जैन संभाग में कहीं-कहीं बारिश होने का अनुमान है।

कुएं में गिरने से किसान की मौत

नीमच, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। शहर के सिटी थाना क्षेत्र के गांव बोरदिया कला में मंगलवार शाम को उस समय सनसनी फैल गई जब खेत पर काम करते समय एक युवा किसान पीने के लिए पानी लेने कुएं पर गया। इस दौरान उसका अचानक पैर फिसल जाने से वह कुएं में जा गिरा। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे गंभीर चोट आई है। बताया जा रहा है कि कुएं में पानी भी कम था। वहीं युवक के कुएं में गिरते ही खेत पर काम कर रहे मजदूर कुएं की तरफ भागे व युवक को कुएं से बाहर निकाला। जिसे गंभीर हालत में नीमच के बड़े अस्पताल लाया गया। मगर डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। दरअसल, मृतक युवक दिनेश पिता प्रेम चंद गायरी 26 वर्ष बोरदिया कला का रहने वाला था।

बाइक भिड़ंत, महिला सहित 4 घायल

पिपलियामंडी, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। दो बाइक भिडत में महिला सहित चार व्यक्ति घायल हो गए। जानकारी के अनुसार बुधवार को दोपहर 3 बजे करीब पिपलिया पुलिस थाने के सामने क्रासिंग के यहां यह हादसा हुआ। बाइक की भिडत में धारियाखेडी निवासी जमनालाल पिता उदयराम, सिंदपन निवासी शांतिलाल पिता मांगीलाल, अनुपपुर झारडा निवासी सम्पतबाई पति कैलाश व कैलाश पिता बंशीलाल घायल हो गए। सूचना पर टोल प्लाजा टीम के जुझारसिंह, इमरान अली व नरेन्द्रसिंह पहुंचे, सभी घायलों को एबूलेंस से मंदसौर भर्ती कराया, इसमें एक की हालत गंभीर है।

बिना तिरपाल के काले कट्टो की सुर्खिया

पूरे नाहरगढ़ क्षेत्र में जबरदस्त गूंज रही कहानी..?

राजू सोनी

नाहरगढ़, 24 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। नाहरगढ़ थाने की कहानी लंबे समय से चर्चित चली आ रही है। उनके गुण गाने के लिए स्टाफ भी मौजूद है। किंतु बिना तिरपाल की कहानी बहुत अलग है। जन चर्चा की माने तो नदी के उस पार से बिना तिरपाल की काले कट्टे की गाड़ियां रात्रि के समय सरपट सड़कों पर दौड़ रही है। आश्चर्य की बात यह है की उनको कोई भी दबोचने वाला महाशय किसी विभाग में मौजूद नहीं है। इससे लगता है कि गुलाबी खिचड़ी की कहानी सब दूर पहुंच रही होगी? इसी कारण इनको खुली छूट दे रखी है? आप कहीं भी चले जाए और कुछ देर बैठ जाए तो बिना तिरपाल के काले कट्टों की चर्चा शुरु हो जाती है। सब जनता के सामने है। किंतु नाहरगढ़ थाना प्रभारी और स्टाफ का इस ओर कोई ध्यान नही है?

बताया जाता है की इन गाड़ियों के मालिक उपमुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा के नाम का दुरुपयोग कर रहे है। पर उनको माननीय उप मुख्यमंत्री स्वयं नही जानते है! किन्तु नाहरगढ थाना क्षेत्र की रात्रि बिना तिरपाल काले कट्टे की कहानी किसी से छुपी नही है? नाहरगढ़ थाना प्रभारी अपने हाल में मस्त दिखाई दे रहे है? इनको भला काले कट्टे की चिंता क्यों रहेगी?.एक कहावत है कि अपना काम बनता, भाड़ में जाए जनता और नेता अधिकारी? लेकिन, एक बात जनता से भी रिकवर कर लेना चाहिए? नाहरगढ़ थाना स्टाफ अपनी कार्य प्रणाली के लिए कितना सर्वे सुखिन: भव की भावना पर चल रहा है? उच्च अधिकारियों को नाहरगढ़ क्षेत्र में बिना तिरपाल की गाड़ियों पर भी अपने रुझान के साथ अपनी पारदर्शी नजर रखना चाहिए? आखिर इन बिना तिरपाल की गाड़ियों के महाशय मालिक कौन है? इसके कितने पार्टनर है? और कितने नेताओं की चमचागिरी करते हुए अपने इरादे छिलके पर मजबूत कर रहे हैं। इसका भी ज्ञान सबको होना चाहिए? जनता के सामने सच्चाई आने की जरूरत है? बिना तिरपाल कांड पिछले कुछ माह से लगातार बदस्तूर जारी है? इसका मुखिया कौन है, सबको पता है? किंतु कुछ मजबूरी होगी नाहरगढ थाने की? या ऐड़ा बनकर पेडा खाया जा रहा हैं। जांच का विषय है।

डोडाचूरा के साथ दो पंजाबी युवक धराए

नीमच, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। सरवानिया महाराज चौकी पुलिस ने पंजाब निवासी दो युवकों के कब्जे से 25 किलो डोडाचूरा जब्त कर गिरफ्तार किया। पुलिस ने मामले में आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की है।

पुलिस को मुखबीर सूचना मिली कि दो लोग डोडाचूरा लेकर बस से जाने वाले हैं। सूचना को पुख्ता मानते हुए पुलिस सरवानिया महाराज श्मशान के सामने सिंगोली रोड पहुंची। यहां दो आरोपी बैग में अवैध डोडाचूरा छिपाकर बस का इंतजार कर रहे थे। पुलिस ने उनके पास के बैग को चेक किया तो उसमें करीब 25 किलो डोडाचूरा मिला। मामले में आरोपी वजीर पिता रामफल वाल्मीकि उम्र 40 वर्ष और सिरमजीत पिता परमजीत को गिरफ्तार किया। मामले में एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। आरोपियों से डोडाचूरा कहां से लाए इसकी पूछताछ की जा रही है।

मंगलवार देर रात से फिर शुरु हुई काम्बिंग गश्त

पुलिस वालों ने किया रतजगा, कई बदमाशों को दबोचा

मंदसौर, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मंगलवार देर रात से एक बार फिर जिले में काम्बिंग गश्त शुरु हुई। इसमें करीब 500 पुलिस अधिकारी, कर्मचारियों की लगभग 45 टीमों ने अपराधियों की धरपकड़ की। इस दौरान बड़ी संख्या में बदमाशो को दबोचा गया। पुलिस को देख बदमाश अलग-अलग तरीको से छिपने की कोशिश करते देखे गए।

अभियान के दौरान 80 स्थायी वारंटी एवं 71 गिरफ्तारी वारंट तामिल करवाये जाकर कुल 156 वारंट तामिल करवाए गए। पुलिस द्वारा हिस्ट्रीशीटर, बदमाशों की चेकिंग करते 96 निगरानी बदमाशों को चेक किया एवं 89 गुंडा, बदमाशो को चेक करते 186 हिस्ट्रीशीटर/गुंडा बदमाशों की चैकिंग की गई। पुलिस द्वारा आर्म्स एक्ट के 02 प्रकरणों सहित मोटर व्हीकल एक्ट की 05 कार्यवाही की गई। शामगढ़ पुलिस ने दो गुम इंसान भी दस्तयाब किए।

पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 80 स्थायी वारंटी गिरफ्तार किये गये। जिनमें थाना कोतवाली 15, थाना वायडी नगर 10, थाना नई आबादी 04, थाना भावगढ 04, थाना दलौदा 04, थाना नाहरगढ़ 20, थाना अफजलपुर 01, थाना पिपलियामंडी 04, थाना नारायणगढ़ 02, थाना मल्हारगढ़ 02, थाना सीतामऊ 02, थाना सुवासरा 03, थाना शामगढ़ 02, थाना गरोठ 06, थाना भानपुरा द्वारा 01 स्थायी वारंट तामिल कराया गया।

इसी प्रकार जिले में कार्यवाही के दौरान कुल 71 गिरफ्तारी वारंटियों की भी धरपकड की गई। इनमें थाना कोतवाली 04, थाना वायडी नगर 01, थाना नई आबादी 10, थाना भावगढ 06, थाना दलौदा 05, थाना नाहरगढ 02, थाना अफजलपुर 09, थाना पिपलिया मंडी 02, थाना नारायणगढ़ 03, थाना मल्हारगढ 05, थाना सीतामऊ 01, थाना सुवासरा 05, थाना शामगढ़ 08, थाना गरोठ 06, थाना भानपुरा द्वारा 04 कार्यवाही की गई।

कॉम्बिंग गश्त के दौरान मंदसौर पुलिस द्वारा अवैध शराब के 25 प्रकरणों में 25 आरोपियों को गिरफ्तार कर आरोपियों के कब्जे से 117.99 लीटर कुल कीमती 28 हजार 370 रूपए की अवैध शराब जप्त की गई। 25 आर्म्स एक्ट के प्रकरणों में 02 थानों थाना मल्हारगढ़ एवं थाना गरोठ द्वारा कार्यवाही करते आर्म्स एक्ट के एक-एक प्रकरणों में एक-एक आरोपियों के विरूद्ध कार्यवाही की गई। पुलिस द्वारा जुआ सट्टा के 04 प्रकरणों में 04 आरोपियों के विरूद्ध प्रकरण दर्ज किया गया। धारा 151 के अंतर्गत 04 प्रकरणों में 05 आरोपियों के विरूद्ध कार्यवाही की गई।

विचार-मंथन

प्रतियोगी परीक्षाओं में नकल के ठेकेदार...

प्रतियोगी परीक्षाओं में धांधली रोकने के तमाम उपाय नकल के धंधेबाजों के आगे विफल नजर आते हैं। अब उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती की परीक्षा में नकल कराने वालों ने सेंधमारी कर ली। आखिरकार सरकार को परीक्षा रद्द करनी पड़ी। पर्चा बाहर होने से परीक्षार्थी नाराज थे, विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। उत्तर प्रदेश सरकार ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि छह महीने के भीतर दुबारा परीक्षा कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा है कि परीक्षाओं में शुचिता से कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

युवाओं की मेहनत के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी दशा में बख्शे नहीं जाएंगे। इस सेंधमारी की जांच विशेष कार्यबल को सौंप दी गई है। हालांकि कुछ परीक्षा केंद्रों से ऐसे लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है, जो पर्चा हल कर भीतर भेज रहे थे। मगर हर बार की तरह यह सवाल अनुत्तरित ही रह जाता है कि आखिर प्रतियोगी परीक्षा का प्रश्नपत्र बाहर हुआ कैसे।

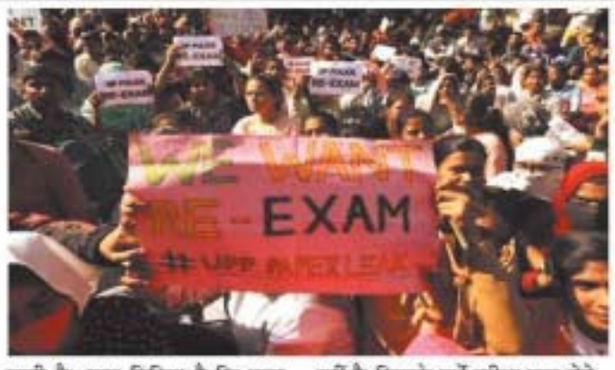

आजकल ज्यादातर परीक्षाएं चाक-चौबंद कंप्यूटर केंद्रों पर होने लगी हैं। जो परीक्षाएं इस तरह नहीं होतीं, उनमें प्रश्न पत्र और उत्तर पुस्तिकाएं रखने की जगहों तथा परीक्षा केंद्रों पर सख्त निगरानी रखी जाती है। मगर विचित्र है कि उत्तर प्रदेश पुलिस खुद पुलिस भर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्रों की सुरक्षा नहीं कर पाई।

यह कोई पहली प्रतियोगी परीक्षा नहीं है, जिसके पर्चे परीक्षा शुरू होने से पहले बाहर आ गए। अब तो जैसे यह सिलसिला-सा बन चुका है कि जब भी कोई प्रतियोगी परीक्षा होती है, उसमें नकल कराने वाले सेंध लगाने का उपाय तलाश ही लेते हैं। हर राज्य इस समस्या से ग्रस्त है। यहां तक कि जो परीक्षाएं कंप्यूटरीकृत प्रणाली से होती हैं, उनमें भी ऐसी गड़बड़ी देखी गई है।

अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस तरह परीक्षा रद्द होने से विद्यार्थियों को कितनी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। न केवल परीक्षा की तैयारी में लगी उनकी मेहनत बर्बाद जाती है, बल्कि बहुत सारे विद्यार्थी तो जैसे-तैसे जुगाड़ करके परीक्षा का शुल्क अदा करते और फिर परीक्षा केंद्रों तक आने-जाने का बंदोबस्त करते हैं। इनमें हजारों ऐसे छात्र होते हैं तो जमीन, जेवर वगैरह गिरवी रखकर परीक्षा के लिए पैसे का इंतजाम करते हैं। पुलिस भर्ती के लिए महीनों वर्जिश करके खुद को तैयार करते हैं। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती में पचास हजार पदों के लिए करीब पचास लाख युवाओं ने आवेदन किया था। हालांकि राज्य सरकार ने परीक्षार्थियों से दुबारा आवेदन शुल्क न लेने और परीक्षा के लिए राज्य परिवहन की बसों में निशुल्क यात्रा की सुविधा देने का वादा किया है।

मगर नकल माफिया के सक्रिय रहते परीक्षा में पारदर्शिता का भरोसा कैसे किया जा सकता है।उत्तर प्रदेश सरकार का दावा है कि उसने अपराधियों के हौसले पस्त कर दिए हैं। पुलिस भर्ती में वर्षों से चली आ रही धांधली को खत्म कर पारदर्शिता लाई गई है। मगर नकल पर नकेल कसने में वह विफल कैसे साबित हो रही है! ऐसा नहीं माना जा सकता कि परीक्षाओं को सेंधमारों से पूरी तरह सुरक्षित नहीं बनाया जा सकता।

लोक सेवा आयोग की परीक्षाएं ऐसे धंधेबाजों की पहुंच से दूर बनी हुई हैं। उसी तरह राज्य स्तरीय और अधीनस्थ कर्मचारी चयन की परीक्षाओं को क्यों अभेद्य और पारदर्शी नहीं बनाया जा सकता। जब तक धांधली की इस प्रवृत्ति की जड़ों प्रहार नहीं किया जाएगा, नकल के कारोबारी सेंधमारी और बहुत सारे योग्य युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करते रहेंगे।

गठबंधन में चतुर कौन रहा, केजरीवाल या कांग्रेस?

अजय सेतिया

आम आदमी पार्टी के सर्वेसर्वा अरविन्द केजरीवाल से हाल ही में जब पूछा गया कि आप बाकी जगह तो कांग्रेस से चुनावी गठबंधन कर रहे हैं, लेकिन पंजाब में गठबंधन क्यों नहीं कर रहे, तो उन्होंने कहा था कि यह भाजपा और अकाली दल को हराने की रणनीति है।

उनके इस बयान के दो दिन बाद जब कांग्रेस और आम आदमी पार्टी में दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, गुजरात और गोवा में सीट शेयरिंग का एलान हो गया, तो पंजाब के बारे में न कांग्रेस ने कुछ बोला है, न आम आदमी पार्टी ने। केजरीवाल के गठबंधन नहीं करने का एक बड़ा कारण यह है कि वह पंजाब सरकार की मुफ्त वाली स्कीमों और किसान आन्दोलन से फायदा होते देख रहे हैं। कांग्रेस से गठबंधन करके वह उस फायदे को बांटना नहीं चाहते।

केजरीवाल यह भी मान कर चल रहे हैं कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी का गठबंधन होने से अकाली दल और भाजपा का गठबंधन हो जाएगा, जिससे इंडी गठबंधन के दोनों दल नुकसान में रहेंगे। वैसे भी पंजाब प्रदेश कांग्रेस एकमत से आम आदमी पार्टी से गठबंधन का विरोध कर रही है।

पंजाब प्रदेश कांग्रेस का मानना है कि गठबंधन होने से आम आदमी पार्टी की पंजाब में जड़ें जम जाएगी और पंजाब में कांग्रेस की हालत यूपी और दक्षिण भारतीय राज्यों जैसी हो जाएगी, जहां वह प्रमुख विपक्षी दल की हैसियत में भी नहीं रहेगी। इसलिए दोनों पार्टियों में यह धारणा बन रही है कि अपने अपने अस्तित्व को बचाने के लिए अकेले ही लड़ना चाहिए। फिलहाल तो यही लग रहा है कि पंजाब में इंडी एलायंस के दोनों दल एक दूसरे के खिलाफ फ्रेंडली चुनाव लड़ेंगे।

आम आदमी पार्टी में अभी तक की धारणा यह बन रही है कि पांचकोणीय मुकाबले में उसे फायदा होगा। आम आदमी पार्टी, कांग्रेस, भाजपा, अकाली दल तो मैदान में हैं ही। बसपा का अकाली दल से गठबंधन टूट गया है, और वह भी लगभग सभी सीटों पर चुनाव लड़ने का मन बना रही है।

पंजाब में सरकार बनने के बाद आम आदमी पार्टी का यह पहला लोकसभा चुनाव है। लोकसभा चुनाव विधानसभाओं की तरह नहीं होते, यह केजरीवाल खुद दिल्ली में दो बार देख चुके हैं। 2014 और 2019 में दोनों बार आम आदमी पार्टी दिल्ली में बुरी तरह हारी। 2015 में विधानसभा चुनाव जीतने के बाद 2019 के लोकसभा चुनाव में 2014 के मुकाबले दिल्ली में उसका वोट 15 प्रतिशत घट गया था।

2014 के लोकसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को 33.1 प्रतिशत वोट मिला, जबकि 2019 के चुनाव में सिर्फ 18 प्रतिशत वोट मिले। इसी तरह 2022 में पंजाब विधानसभा में रिकार्ड तोड़ विजय के बाद आम आदमी पार्टी मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की ओर से खाली की गई लोकसभा सीट ही हार गई थी।

दिल्ली में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी में हुए समझौते के मुताबिक कांग्रेस तीन और आम आदमी पार्टी चार सीटों पर चुनाव लड़ेगी। 2019 में कांग्रेस पांच सीटों पर दूसरे नंबर पर थी, जबकि आम आदमी पार्टी उत्तर पश्चिम और दक्षिण दिल्ली की सीट पर दूसरे नंबर पर थी, लेकिन वहां भी 2014 के मुकाबले उसके 9 प्रतिशत वोट घट गए थे। जबकि भाजपा के रमेश विधूड़ी के वोट 11 प्रतिशत बढ़ गए थे। समझौते में आम आदमी पार्टी ने दक्षिण दिल्ली के अलावा नई दिल्ली, पूर्वी दिल्ली और पश्चिमी दिल्ली सीटें रखी हैं।

नई दिल्ली सीट पर पिछली बार कांग्रेस के अजय माकन दूसरे नंबर पर थे। वह आम आदमी पार्टी से गठबंधन के घोर विरोधी थे। तो उन्हें कर्नाटक से राज्यसभा टिकट देकर कांग्रेस ने चुप करवा दिया। लेकिन क्या वह आम आदमी पार्टी को नई दिल्ली में जीतने देंगे। और क्या उत्तर पूर्वी सीट से संदीप दीक्षित आम आदमी पार्टी को जीतने देंगे, जहां पिछली बार उनकी मां शीला दीक्षित हारी थी। सच यह है कि कांग्रेस ने इस बार केजरीवाल को आईना दिखाने का मंसूबा बना कर गठजोड़ किया है। इन सभी सीटों पर 2019 में उसका वोट 15 से 21 प्रतिशत तक घटा था।

कांग्रेस ने जो तीन सीटें ली हैं, वे मुस्लिम प्रभाव वाली हैं। केजरीवाल ने खुद हिन्दू बहुल सीटें लेकर अपने पैरों पर खुद कुल्हाड़ी मार ली है। हिन्दू बहुल सीटों पर उनकी दाल बिलकुल नहीं गलने वाली। दिल्ली को लेकर आम आदमी पार्टी सबसे बड़ी गलतफहमी में है। शराब घोटाले के बाद यह पहला चुनाव होगा। सिसोदिया का जेल में एक साल पूरा हो चुका है, जिससे दिल्ली की जनता में धारणा बन गई है कि घोटाला न हुआ होता, तो उन्हें जमानत मिल गई होती।

गुजरात में भी कांग्रेस की रणनीति आम आम आदमी पार्टी से बदला लेने की है। भरूच और भावनगर सीट पर कांग्रेस का आसानी से मान जाना, कई तरह के शक पैदा करता है। भरूच अहमद पटेल का घर है। अहमद पटेल 1977 से 1984 तक लगातार तीन बार भरूच से लोकसभा चुनाव जीते थे। 1989 में वह हार गए, तो उसके बाद से यह सीट कांग्रेस कभी नहीं जीत पाई। दस बार से लगातार कांग्रेस हार रही थी। पिछली छह बार से भाजपा के मनसुख भाई वसावा वहां से सांसद हैं। लेकिन अहमद पटेल राजीव गांधी और सोनिया गांधी के इतना करीब आ गए थे कि 1993 से 2020 तक पांच बार राज्य सभा के सदस्य रहे। 2020 में कोविड से उनका देहांत हो गया।

अहमद पटेल की बेटी मुमताज पटेल वहां से लोकसभा चुनाव लड़ना चाहती थी। जबकि कांग्रेस सिर्फ एक ही परिवार की विरासत को मानती है। इसलिए कांग्रेस ने जब यह सीट आम आदमी पार्टी को दी, तो शुरू में वह बहुत परेशान हुई। लेकिन 24 घंटे में उन्हें समझा दिया गया कि कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी को यह सीट हारने के लिए दी है, जीतने के लिए नहीं दी। क्योंकि केजरीवाल को यह भ्रम हो गया है कि भरूच लोकसभा क्षेत्र की सात विधानसभा सीटों में से एक सीट जीत कर वह लोकसभा सीट जीत लेंगे।

सवालों का जवाब हमें पता, मगर सच स्वीकार नहीं

वक्त का बीतना नियति है और अपने आरंभ के साथ ही यह बदस्तूर जारी है। समय और हालात ने हमारे दिलो-दिमाग का जायका जरूर बदला है, लेकिन हमारे पारंपरिक दृष्टिकोण में कोई परिवर्तन नहीं आ पाया है। हालांकि वैयक्तिक सोच का अवमूल्यन अवश्य हुआ है, बावजूद इसके हम स्वयं में व्याप्त कमियों, खामियों, विसंगतियों और विकृतियों को स्वीकार करने से साफ-साफ कतराते रहे हैं। अब तो सब तरफ ही एक विचित्र सोच का सिलसिला चल पड़ा है। नैतिक और मानवीय मूल्य के कद्रदान तेजी से घटे हैं और पाशविकता और दैत्य प्रवृत्ति अप्रत्याशित रूप से पनपी है। जिंदगी कितनी जटिल हो गई है। मुकम्मल तौर पर कोई भी खुश और संतुष्ट नहीं। हर जगह बस त्राहि-त्राहि और बिगड़ा हुआ कुछ ठीक हो जाने की आस या फिर कुछ पा लेने की होड़। हालांकि न जिद और जुल्म से किसी का बेड़ा पार हुआ है और न ही स्वार्थ से कोई पनपा है। एक अजीब से इतिहास की संरचना में सभी प्रयासरत हैं।

कई बार ऐसा लगता है कि भय की भावना से उबर चुका है मानव मन। मगर क्या यह सचमुच भय से उबरना है? विश्वास, पूजा और आस्था अब कितने मूल रूप में कहां बचा है? क्या यह सच नहीं है कि इन मामलों में हम बेहद औपचारिक हो चले हैं। कसूरवार हम नहीं तो फिर और कौन है? अगर हम किसी और की ओर अंगुली उठाते हैं तो क्या वह सचमुच ऐसी हैसियत रखता है कि हम पर खुद को हावी कर ले? हमारे सवालों का जवाब शायद हमें पता होता है। मगर सच कब और किसने स्वीकार किया है? फैसला दर्ज है इधर अपने ही भीतर। यह जानकर भी सब अनजान बने हुए हैं। न उठते बवंडर के रुख का पता होता है और न ही स्पर्श और अहसास के संदर्भ ही ज्ञात हैं, लेकिन रास्ते की खोज और उसके बारे में पूछना जारी रहता है। गौर से देखें तो रास्ते सैकड़ों हैं, पर साथ ही अंधेरी तंग गलियों से गुजरना भी एक मजबूरी है। विचित्र है कि भोगवादी संस्कृति हर जुल्म सहने को तैयार है। अंजाम चाहे जो भी हो, मन को मर्जी से और भावनाओं को यथार्थ तले दबना ही होगा। तैयार होती पृष्ठभूमि में बोध का महत्व कुछ ज्यादा ही है। अब परिभाषा में बंधने की कतई जरूरत नहीं। एक खुली किताब हमारे सामने है। इतिहास के पन्नों में सिमटती जिंदगी के हाशिये पर हमारी अच्छी-बुरी हर एक पहचान मौजूद है, जिसे स्वीकारने और नकारने की हिम्मत और क्षमता किसी में भी नहीं।

अब बस समर्पण ही एकमात्र रास्ता लगता है और जो समर्पित होगा, उद्धार भी उसी का होगा। आज खोज उसकी है, जो वेदना में विलीन होती संवेदना की मजबूरी भी समझे। हम क्या चाहते हैं, यह खुद हमें ही ज्ञात नहीं। यह स्थिति कैसे और कहां से आई? इसमें बह जाने में हमारी कितनी भूमिका है? क्या कुछ ऐसा भी है जो सुचिंतित तरीके से हमारे सामने परोसा गया और हम उसके शिकार होते चले गए? मगर तब सवाल उठता है कि हमारी संवेदना के साथ हमारे विवेक का तालमेल कितना रहा!

दरअसल, स्नेह और सहानुभूति के लिए निरंतर तरसते इंसान के भीतर जिज्ञासाएं भी अनंत हैं। सभी हैरान और हतप्रभ दिखते हैं। पाखंडवाद और परंपरागत रूप से प्रगति पर दिख रहे हैं। मानदंडों की आधारशिला भी रखी जा चुकी लगती है। वक्त से उसकी ताकत पूछने की भूल और हिमाकत कभी नहीं करनी चाहिए। वह शुरू से लेकर अब तक हर मौके पर साबित हुआ है कि वक्त क्या है और कितनी ताकत रखता है। सिद्धांतों और आदर्शों की बातें करते हुए अब सांस्कृतिक धरोहर पर इतराना भी छोड़ देना चाहिए। मगर अपने आप से मुंह नहीं मोड़ना चाहिए। खुद को ठीक रखा जा सका तब अगर बहुतों को नहीं तो कुछ को जरूर संभाला जा सकेगा। युग बदलने के साथ इतिहास भी बदला है। जमीन के यथार्थ को मीनार की ऊंचाइयों से मापने की आदत से हम बाज आ जाएं तभी अच्छा है। अक्षम्य कारस्तानियों के नीचे इंसानियत और मानवता का हर सुखद लम्हा दफन है। जिंदगी की उस रेखांकित इबारत पर नजर डाली जा सकती है, जो मुकम्मल मंजिल तलाशने के प्राथमिक प्रयास करती है। मगर यह असंभव है, क्योंकि आज हम अवसाद के दुर्गम दौर से गुजर रहे हैं और यह एक चुनौती भरी जटिल प्रक्रिया है। इंसान को इंसान से जोड़ने की बात पर जाने की जरूरत शायद बाद में पड़े, पहले अपने ही भीतर तहकीकात कर एक लंबा सफर तय करने की जरूरत है। सात्विकता की खोज में निरंतर भटक रहा हमारा थका-हारा और टूटा मन अब ठहराव चाहता है।

अगर अपनी ताकत और सीमा, दोनों की ईमानदार पहचान कर ली जाए तो चुनौतियों के सैलाब को पार करना कतई मुश्किल नहीं, पर संघर्षों का बीड़ा उठाने का कोई साहस भी तो करे! जिंदगी का अर्थ जानने का उत्साह किसी के भीतर देखने को नहीं मिलता, जबकि जिंदगी के अर्क में ही सारी सुखद और खुशनुमा अनुभूतियां छिपी हुई हैं। दरअसल, आज जरूरत यह जानने की नहीं कि जिंदगी ने हमें क्या दिया, बल्कि यह सोचने और समझने की है कि हमने जिंदगी को वास्तव में कैसे सजाया और संवारा है।

क्षेत्रीय दलों के आए दिन मिलने और लड़ने से उपजते सवाल

(राजेश बादल)

भारतीय लोकतंत्र एक अजीब सी दुविधा के दौर से गुजर रहा है। प्रतिपक्षी पार्टियां अपनी मजबूत सकारात्मक उपस्थिति दर्ज नहीं करा पा रही हैं। कभी वे गठबंधन के सहारे आगे बढ़ती दिखाई देती हैं, तो कभी स्वतंत्र अस्तित्व को लेकर इतनी संवेदनशील हो जाती हैं कि कोई समझौता नहीं करना चाहतीं।

जाहिर है, वे एक-दूसरे से भयभीत या असुरक्षित अनुभव करती हैं, इसलिए यह कालखंड भारतीय राजनीति का संक्रमण-काल भी कहा जा सकता है। किसी भी लोकतंत्र में यह अस्वाभाविक प्रक्रिया नहीं है। कालखंड के हिसाब से समाज और देश अपने आपको बदलता है, तो उसकी शासन-प्रणाली में भी क्यों परिवर्तन नहीं होना चाहिए? अभी तक बहुदलीय व्यवस्था भारतीय लोकतंत्र की खास बात रही है। किसी भी लोकतंत्र की बुनियादी शर्त सामूहिक नेतृत्व ही है। यह तभी संभव है, जब विविध संस्कृतियों और धर्मों की कोख से नेतृत्व की तमाम समान धाराएं निकलें और राष्ट्र की मुख्य प्रशासनिक गंगा में समा जाएं।

हिन्दुस्तान में बीते 75 साल में ऐसा हुआ है। इसी कारण अलग-अलग सभ्यतागत चरित्र, सामाजिक संरचना, आस्था और अपनी विभिन्न मान्यताओं-धारणाओं को स्वीकार करते हुए भारत दुनिया में अपने लोकतंत्र की साख कायम कर चुका है। ऐसा कोई भी देश नहीं है, जहां संस्कृति का इतना मिश्रित स्वरूप देखने को मिलता हो। इसलिए बहुदलीय लोकतंत्र यहां के लिए सर्वाधिक अनुकूल प्रणाली है। हालांकि, हाल के राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों, सियासत के बदलते चरित्र और प्रादेशिक व क्षेत्रीय पार्टियों की भूमिका के मद्देनजर नए सिरे से यह बहस अनिवार्य लगने लगी है कि तेजी से भाग रही दुनिया में क्या भारत के लिए अपनी राजनीतिक संरचना में परिवर्तन आवश्यक हो गया है? वैसे तो पश्चिम और यूरोप के अनेक विकसित देशों में दो दलों की प्रधानता वाली प्रणाली भी कामयाबी से चल रही है। वहां साक्षर समाज ने इस तथ्य को स्वीकार कर लिया है कि आज के संपन्न संसार में अनेक वैचारिक धाराओं की वैसी जरूरत नहीं रही है, जैसी पचास-साठ साल पहले होती थी। व्यावहारिक तौर पर देखें, तो आज समाजवाद की अवधारणा उपयोगी होते हुए भी बासी पड़ चुकी है। जिस दौर में पूंजी का इतना बोलबाला हो, उसमें सभी वर्गों के लिए समानता की बात करना अव्यावहारिक है। यही हाल वामपंथी विचारधारा का है। अधिकारों और अपने हक के लिए लड़ाई लड़ने को कितने लोग सड़कों पर उतरना चाहते हैं?

नई पीढ़ी तो आंदोलन और हड़ताल करने से बिदकती है। मानव श्रम का शोषण रोकने के लिए बनाए गए कानून बेमानी हो गए हैं। आज जम्हूरियत के नाम पर कमोबेश सारे बड़े देशों में एक लचीली व व्यावहारिक दक्षिणपंथी धारा दिखाई देती है। कमोबेश सारे राष्ट्र अब एक ताकतवर चेहरे को पसंद करते दिखाई देते हैं। लोकतंत्र का यही आधुनिकतम संस्करण है, जिससे अधिनायकवादी गंध भी आती है। वर्तमान उपभोक्तावादी समाज में इसे बहुत आपत्तिजनक नहीं माना जा रहा है। यही कारण है कि सुख-सुविधाओं से परिपूर्ण समाज को सिद्धांतों की चिंता नहीं रह गई है।

भारतीय संदर्भ में भी यह बात समझी जा सकती है। यहां दो दल- भाजपा व कांग्रेस ही अपना अस्तित्व राष्ट्रीय स्तर पर बचाकर रखे हुए हैं। यहां राजनीतिक अस्थिरता ने अधिकतर प्रादेशिक दलों को जन्म दिया है।

आज का राशिफल

मेष : [illegible] सुभांक-3-7-9

वृषभ : [illegible] सुभांक-6-8-9

मिथुन : [illegible] सुभांक-7-8-9

कर्क : [illegible] सुभांक-4-6-9

सिंह : [illegible] सुभांक-4-6-8

कन्या : [illegible] सुभांक-3-6-9

तुला : [illegible] सुभांक-5-7-8

वृश्चिक : [illegible] सुभांक-3-5-7

धनु : [illegible] सुभांक-2-6-7

मकर : [illegible] सुभांक-3-5-7

कुंभ : [illegible] सुभांक-2-4-6

मीन : [illegible] सुभांक-3-5-7

सुडोकू पहेली

क्रमांक- 5160

		1			3	2		
9						1	7	
8	4			1		6		9
				2	5			
2	6						8	3
			7	6				
1		3		7			2	4
	9	7						6
		8	4			9		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र.5159

5	4	3	9	1	7	2	6	8
9	8	6	5	3	2	1	7	4
7	1	2	8	6	4	9	5	3
3	2	5	6	4	1	7	8	9
1	6	8	7	5	9	3	4	2
4	9	7	2	8	3	6	1	5
2	7	4	1	9	5	8	3	6
6	3	9	4	7	8	5	2	1
8	5	1	3	2	6	4	9	7

वर्ग पहेली 5160

संकेत: बाएं से दाएं

1. 25 अगस्त 1957 को इस देश की सरकार ने देश में घोषित आपातकाल के 30 वर्ष बाद वापस लिया (3)
4. दोनों हाथों से तीर चला लेने के कारण अर्जुन का एक नाम (4)
7. अमानत में खयानत, मुंशी प्रेमचंद की सुप्रसिद्ध कृति (3)
8. हदन, गिल, चालीस सेर के बराबर की एक तौल (2)
9. प्रसन्न होना, रोमांचित होना (4)
11. उर्दू या फारसी में गजलें लिखने, बोलने वाला (3)
13. सिपाही, सैनिक (3)
15. दो की संख्या, मिश्रक (2)
16. सीखने में प्रवृत्त करना, प्रतिष्ठित करना (3)
17. सर्दी-जुकाम (उर्दू)(3)
19. उत्तरप्रदेश की पूर्व महिला मुख्यमंत्री (सिर्फ आरंभिक नाम)(2)
20. आकाश से गिरने वाली बिजली (2)
21. जो खास्तगिकता से परे हो (3)
22. पवित्र, मंगलकारक, शुभ (2)
23. किसी धार्मिक विषय में धर्मशास्त्र वेत्ता का लिखित आदेश (उर्दू)(3)

ऊपर से नीचे

1. किलीयुग काल के आरंभ में किया गया श्रीगणेश की नमन (7)
2. आधार से समकोण बनाती हुई ऊपर जाने वाली रेखा (2)
3. उत्तरप्रदेश का गंगा तट पर बसा वह नगर भारीदोष के कारण भी प्रसिद्ध है (4)
4. दंड देना, शिक्षा या नसीहत देना (6)
5. गाड़ जाने वाले मेदमेख (2)
6. वह विश्व का प्रथम देश है जिसमें मुद्रा का प्रचलन किया (2)
10. मानना (3)
12. जुड़वा, अश्विनी कुमार (3)
14. आम रास्ता, आने-जाने का साधन (4)
18. मनोविकार, स्वभाव की उत्तमता, उत्साह (3)
19. सुपर स्टार सलमान खान की पैतृक भूमि मध्यप्रदेश के इस अंचल में स्थित है (3)
21. दुर्दशा, दुर्गति (2)

वर्ग पहेली 5159 का हल

स	ज	यु	क	■	भू	न	ल
म	■	वा	न	ती	न	■	कि
य	यु	र	■	फ	■	ना	रा
रि	■	■	हा	मि	या	ना	■
त	ला	शी	■	मि	■	ना	ती
भा	स	■	ड	स्ट	र	■	र
ज	■	प्र	का	श	■	मा	हा
ल	छी	■	र	■	स	ह	ज

पर्यावरण के लिए जीवन शैली विषय पर कार्यशाला सम्पन्न

मंदसौर, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मन्दसौर के भू विज्ञान विभाग के द्वारा पर्यावरण के लिए जीवन शैली विषय पर केंद्रीय जल मंत्रालय के भूजल विभाग के सहयोग से एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञों द्वारा मंदसौर जिले के भू जल स्तर तथा भविष्य में आने वाली चुनौतियां के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। विद्यार्थियों को विभाग की कार्यशैली से परिचित करवाया गया और उन्हें विभाग से जुड़कर अपनी समस्याएं हल करने का तथा भविष्य की लिए नई रोजगार अवसर पर चर्चा करने का अवसर दिया।

महाविद्यालय की जन भागीदारी समिति अध्यक्ष श्री नरेशजी चंदवानी ने अपने उद्बोधन में मंदसौर की जल स्थिति और भविष्य के बारे में चर्चा की गई और उन्होंने विद्यार्थियों को इस विभाग से जुड़कर लाभ लेने की प्रेरणा दी। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ- एल-एन- शर्मा ने इस अवसर को स्वर्णिम अवसर बताया जिसका लाभ महाविद्यालय की विद्यार्थी अपना करियर बनाने में कर सकते हैं और भविष्य को उज्ज्वल कर सकते हैं। भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ- वी-पी- तिवारी ने विद्यार्थियों से अधिक से अधिक संख्या में जुड़ने की अपील की और डॉ- विनीता कुलश्रेष्ठ भू विज्ञान विभाग ने भूजल विभाग की इस पहल की प्रशंसा करते हुए आभार व्यक्त किया। कार्यशाला के अंतर्गत वरिष्ठ वैज्ञानिक श्री समांथा कुमार महंतो के द्वारा विद्यार्थियों के साथ परिचर्चा की गई और इस विभाग का महत्व बताया गया। विभाग के अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिक श्री कमलेश औझा ने मंदसौर जिले में जल स्रोत की स्थिति का विभाग के द्वारा किया गया विश्लेषण विद्यार्थियों के सामने रखा इसके बाद में विद्यार्थियों के साथ में चर्चा की और एक क्विज का आयोजन किया जिसमें प्रथम फैजान छीपा, द्वितीय भाविका मनवानी व तृतीय स्थान अशरफ और रवीन ने प्राप्त किया जिनको पुरस्कृत किया गया। केंद्रीय जल विभाग के द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में काफी संख्या में विद्यार्थी तथा महाविद्यालय की स्टाफ की सदस्य उपस्थित थे।

मैसर्स गोल्ड क्रेस्ट सीमेंट प्रालि का भूमिपूजन कल

नीमच, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। रिजनल इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव उज्जैन 2024 के अंतर्गत मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के (वर्चुअली) मुख्य आतिथ्य एवं एमएसएमई मंत्री श्री चेतन कुमार कश्यप की (वर्चुअली) अध्यक्षता में एक मार्च 2024 को ग्राम सगराना तहसील एवं जिला नीमच में स्थापित होने वाली मैसर्स गोल्ड क्रेस्ट सीमेंट प्रा.लि.की औद्योगिक इकाई का भूमिपूजन आयोजित किया जा रहा है।

टाउन हॉल दशहरा मैदान नीमच पर आयोजित एक मार्च 2024 को प्रात: 10.15 बजे से आयोजित इस कार्यक्रम में सांसद श्री सुधीर गुप्ता, विधायक नीमच श्री दिलीप सिह परिहार, विधायक जावद श्री ओमप्रकाश सखलेचा, विधायक मनासा श्री अनिरुद्ध माधव मारू, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सज्जनसिह चौहान, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती स्वाति गौरव चौपडा, जनपद अध्यक्ष श्रीमती शारदा बाई धनगर एवं ग्राम पंचायत सगराना की सरपंच श्रीमती रानी कुंवर चौहान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। एमपीआईडीसी लि.मि. क्षेत्रिय कार्यालय उज्जैन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में अधिकाधिक उद्योगपतियों, जनप्रतिनिधियों और प्रबुद्धजनों तथा नागरिकों से उपस्थित होने का आगृह किया गया है।

पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न

नीमच, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। नीमच जिला पंचायत सभाकक्ष नीमच में बुधवार को एमएसएमई मंत्रालय कार्यालय इन्दोर एवं जिला उद्योग एवं व्यापार केन्द्र नीमच द्वारा पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत जागरूकता कार्यक्रम सह प्रशिक्षण जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद एवं संयुक्ते निर्देशक श्री डीडी गजभिए की उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में सहायक निर्देशक एमएसएमई श्री एस.के.रावत ने पीएम विश्व कर्मा के बारे में विस्ताएर से जानकारी देते हुए योजना के लाभ, क्रेडिट सहायता, टूल कीट प्रोत्सोहन, कौशल, डिजिटल लेन देन के लिए प्रोत्साजहन एंव मार्केटिग सहायता, योजना के उददेश्य एवं योजना की पात्रता, ट्रेड आदि के बारे में विस्ता र से जानकारी दी।

सीएससी हेड श्री विनोद पाटीदार ने कॉमन सर्विस सेन्टर के माध्यंम से हितग्राहियों के पंजीयन की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया, और प्रतिभागियों के प्रश्नों के उत्तर भी दिये गये। जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद ने योजना के संबंध में प्रस्तुत किये जाने वाले स्वघोषणा पत्र के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन श्री एस.के.रावत ने किया। इस मौके पर उद्योग विभाग की महाप्रबंधक सुश्री चंचल शर्मा एवं विभिन्नी विभागों के अधिकारी व विश्वकर्मा योजना के हितग्राही उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री आज जिले के 56.39 करोड के 171 कार्यो का भूमिपूजन करेंगे

नीमच, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी वीडियों कांफ्रेसिंग के माध्यम से आज 29 फरवरी को विकसित भारत, विकसित मध्यप्रदेश की अवधारणा को लेकर अनेक विकास कार्यो का लोकार्पण एवं भूमिपूजन करेंगे। साथ ही नवनियुक्ति शासकीय कर्मियों को नियुक्ति पत्रों का वितरण भी किया जावेगा। प्रदेश स्तरीय मुख्य कार्यक्रम लाल परेडग्राउण्डे भोपाल में होगा। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव भी उपस्थित रहेंगे। सम्पूर्ण कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जिला मुख्यामलय एवं नगरीय निकाय मुख्यालय तथा लोकार्पित/भूमिपूजन किए जा रहे कार्यो के कार्य स्थल पर भी किया जावेगा। अधिकाधिक लोगो को विकसित भारत, विकसित मध्यप्रदेश कार्यक्रम को देखने एवं सुनने के लिए प्रेरित किया जायेगा। कार्यक्रम जिपं परिसर नीमच में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में आज 29 फरवरी को 3.30 बजे से आयोजित किया जा रहा है।

टैलेंट ऑफ मंदसौर ने दी पदमश्री पंकज उधास को श्रद्धांजलि

मंदसौर, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। टैलेंट ऑफ मंदसौर परिवार एवं जनभागीदारी समिति लता मंगेशकर संगीत महाविद्यालय मंदसौर अध्यक्ष नरेन्द्र त्रिवेदी, गायक आशीष मराठा, नरेन्द्र भावसार, अजय डांगी, श्रीमती चंदा डांगी, तबला वादक गीत अखण्ड शर्मा, श्रीमती ललिता मेहता, दीपक मिश्रा, डॉ. अनुश्री लड्ढा, समीर खान, डॉ. के.एल. राठौर, अजय शर्मा, जैकी बादशाह, मनीष रिछावरा के द्वारा गजल सम्राट पंकज उधास जी के चित्र पर माल्यार्पण किया। साथियों ने उनकी गायी गजले गाकर उन्हें श्रद्धांजलि प्रदान की।

इस अवसर पर हिमांशु वर्मा ने कहा कि उर्दू अदब की गायकी गजल जाने माने गायकों के बस की बात रही है, उनकी गाई गजलों को गाना और निबाह लेना बहुत मुश्किल होता है। लेकिन पंकजजी उधास ने मुश्किल गजलों को भी सरल अंदाज में गाया, यही कारण है कि उनकी गाई गजलों को आम आदमी ने भी गाकर उसका लुत्फ उठाया। चिट्ठी आई है, चांदी जैसा रूप और जिये तो जिये कैसे बिन आपके गजले आम आदमी की पसंद बनी हुई है। इस अवसर पर हिमांशु वर्मा ने मैं तेरे साथ हूं, जहाँ तू है, दिल की धरती का आसमां तू है सुनाई। नरेन्द्र सागोरे ने चांदी जैसा रंग है तेरा, सोने जैसे बाल गाकर पंकजजी को याद किया। स्वाति रिछावरा ने थोडा आहिस्ता कीजिये बातें, धडकने कौई सुन रहा होगा सुनाकर गजल की गायकी का एहसास कराया। रानी राठौर और नंदकिशोर राठौर ने जिये तो जिये कैसे, बिन आपके, लगता नहीं दिल कहीं, बिन आपके सुनाकर गजल के विरह का एहसास कराया। राजकुमार अग्रवाल ने हुई महगी बडी शराब, थोडी-थोडी पिया करो सुनाकर पीने वालों को नसीहत दी। वाईस ऑफ गजल महेश त्रिवेदी ने ए गमें जिंदगी, मुझको दे मशवरा और निकलों ना बेनकाब जमाना खराब है गजले सुनाकर समां बाधा। लोकेन्द्र पाण्डे ने बहुत उम्दा स्वरों में आप जिनके करीब होते है वो बडे खुशनसीब होते है सुनाकर गजल प्रेमियों की दाद बटोरी। अंत में सभी ने मिलकर चिट्ठी आई है आई है, चिट्ठी आई है कालजयी गजल गाकर पंकज उधास को शब्दांजलि प्रदान की।

सरकार की वादा खिलाफी नहीं सहेंगे किसान- जिला प्रभारी

सुवासरा, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। भारतीय किसान संघ जिला गरोठ की बैठक नई कृषि उपज मंडी गरोठ में हुई संपन्न बैठक में जिला प्रभारी ने स्पष्टरूप में कहा की नेताओं ने चुनावी सभाओं में किसानों से वादा किया गेहूं ? 2700 व धान 3100 प्रति किंटल की गारंटी दी किसानों को जागरुक करना भारतीय किसान संघ का कार्य, उसमें वह पीछेनहीं रहेगा और 5 मार्च को धरना प्रदर्शन कर जिला स्तर पर शासन को अवगत कराने के लिए ज्ञापन दिया जाएगा बैठक में जिला प्रभारी सीताराम प्रजापति जिला अध्यक्ष कृपाल सिंह सोलंकी, जिला मंत्री रामनिवास बैरागी जिला कोषाध्यक्ष बालमुकुंद चौधरी जिला जैविक निहालचंद पाटीदार सुवासरा तहसील अध्यक्ष शंभू गिरी रामलाल माली चंद्ररसिंह राठौड नारायण सिंह राठौड बाबूलाल धाकड नर्भेराम पाटीदार भवानी शंकर धाकड, घनश्याम पाटीदार पिपलिया, रूपरा रावटी आदि गांव के किसान उपस्थित रहे। उक्त सूचना जिला मंत्री रामनिवास बैरागी द्वारा दी गई।

मप्र फार्मास्युटिकल और चिकित्सा उपकरण निर्माण में गढ़ रहा नए आयाम

मंदसौर, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। भारत की औद्योगिक शक्ति के विशाल परिदृश्य में मध्य प्रदेश एक गढ के रूप में उभरा है। प्रदेश फार्मास्युटिकल और चिकित्सा उपकरण निर्माण क्षेत्रों में भी विकास के नए आयाम गढ रहा है। नवीन प्रौद्योगिकी एवं निवेश के लिये सर्वसुविधा युक्त आदर्श क्षेत्र के रूप में फार्मास्युटिकल के क्षेत्र में वैश्विक पहचान बनाने की ओर अग्रसर है। प्रौद्योगिकी अपनाने और निवेश सुविधा से विकास को बढावा देने पर रणनीतिक फोकस के साथ, राज्य इन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में वैश्विक परिदृश्य को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार है।

फार्मास्युटिकल पावर हाउस- फार्मास्युटिकल के वैश्विक बाजार में भारत का प्रभुत्व निर्विवाद है और इस परिदृश्य में, मध्य प्रदेश अपने मजबूत इकोसिस्टम के साथ खडा है। राज्य में 270 से अधिक फार्मास्युटिकल इकाइयों का एक नेटवर्क है, जिसमें 39 एपीआई/बल्क ड्रग विनिर्माण इकाइयां शामिल हैं, जिसमें 50 से अधिक इकाइयां डब्ल्यूएचओ-जीएमपी मानकों का पालन करती हैं। ये प्रतिष्ठान न केवल घरेलू बाजार की पूर्ति कर रहे हैं बल्कि दुनिया भर के 160 से अधिक देशों में अपने उत्पादों का निर्यात भी कर रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2022 में राज्य के निर्यात में इस क्षेत्र का योगदान बढकर 20.5% हो गया, जो आर्थिक विकास को आगे बढाने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। सरल नीति और निवेश के लिये आदर्श स्थल होने के कारण म.प्र. ने कई फार्मास्युटिकल पार्क के स्थापित होने से इस क्षेत्र में म.प्र. सशक्त होकर उभरा है। मध्य प्रदेश की फार्मास्युटिकल शक्ति उसकी दूरदर्शी पहलों, जैसे राज्य भर में आगामी फार्मा पार्कों के विकास, से और भी बढ गई है। ये पार्क नवाचार के लिए इनक्यूबेटर के रूप में काम करेंगे, अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे और अनुसंधान और विकास के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करेंगे। इसके अलावा, सन फार्मा, ल्यूपिन, ग्लेनमार्क, सिप्ला, माइलान, डाबर, अरिस्टो, आईपीसीए जैसी बडी कंपनियां म.प्र. में अपना व्यवसाय शुरू कर रही हैं। मध्य प्रदेश वैश्विक मंच पर एक फार्मास्युटिकल पावरहाउस के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है।

चिकित्सा उपकरण विनिर्माण केंद्र- चिकित्सा उपकरणों के लिए वैश्विक बाजार में तेजी से वृद्धि देखी जा रही है, भारत, महत्वाकांक्षी 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत, खुद को इस क्षेत्र में अग्रणी के रूप में स्थापित कर रहा है। उत्पादन से जुडी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना और चिकित्सा को बढावा देने जैसी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। मेडिकल डिवाइसेस पार्क योजना के अन्तर्गत राज्य सरकार बडे पैमाने पर विनिर्माण को प्रोत्साहित कर रही है और उप-क्षेत्रों में निवेश की सुविधा प्रदान कर रही है। भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित चार मेडिकल डिवाइस (एमडी) पार्कों में से एक मध्य प्रदेश में स्थापित किया गया है, जो अपने मौजूदा इंजीनियरिंग और प्लास्टिक इकोसिस्टम के साथ-साथ चिकित्सा उपकरणों के निर्माण के केंद्र के रूप में राज्य के विकास को प्रदर्शित करता है। म.प्र. फार्मास्यूटिकल्स में अपनी प्रगति के अनुरूप तेजी से खुद को चिकित्सा उपकरण उत्पादन के केंद्र बिंदु के रूप में स्थापित कर रहा है। (विक्रम उद्योगपुरी लिमिटेड, उज्जैन में 360 एकड में फैले मेडिकल डिवाइस पार्क) सस्ती भूमि और बुनियादी ढांचे उपलब्धता से मेडिकल इमेजिंग, इम्प्लांट मैन्युफैक्चरिंग, सर्जिकल उपकरण और पहनने योग्य वस्तुओं जैसे विभिन्न क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, मध्यप्रदेश नवाचार और निवेश के लिए अनुकूल माहौल के लिए आधार तैयार कर रहा है।

फार्मास्यूटिकल क्षेत्र में आयेगा निवेश- मध्यप्रदेश मालवा क्षेत्र के सुस्थापित इकोसिस्टम में उज्जैन में क्षेत्रीय उद्योग कॉन्क्लेव 2024 की मेजबानी करने के जा रहा है, इसमें फार्मास्यूटिकल्स और चिकित्सा उपकरण क्षेत्र में निवेश के लिये कई प्रस्ताव आयेगे। यह आयोजन उद्योग जगत के दिग्गजों, सेक्टर विशेषज्ञों और सरकारी अधिकारियों का एक संगम होने का वादा करता है, जो निवेश के अवसरों का पता लगाने और भविष्य के विकास के लिए पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए एकत्रित होंगे। मध्यप्रदेश का फार्मास्यूटिकल्स और चिकित्सा उपकरणों में एक मजबूत ताकत के रूप में उभरना नवाचार, निवेश और समावेशी विकास के प्रति इसकी अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। एक अनुकूल इकोसिस्टम दूरदर्शी नीतियों और रणनीतिक पहलों के साथ, म.प्र. भारत के औद्योगिक प्रगति के क्षेत्र में एक नया अध्याय लिखने के लिए तैयार है, जो निवेशकों और हितधारकों को एक स्वस्थ और अधिक समृद्ध भविष्य को आकार देने के लिए हाथ मिलाने के लिए प्रेरित करेगा।

पीआईसी बैठक में 292 प्रकरणो को मिली मंजूरी

मंदसौर, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। नगरपालिका परीषद मन्दसौर की प्रेसिडेन्ट ईन कोन्सील (पीआईसी) की बैठक कल बुधवार को मेघदूत नगर स्थित ज्ञानदूत वाचनालय भवन पर संपन्न हुई न.पा. अध्यक्ष श्रीमति रमादेवी बंशीलाल गुर्जर की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में प्लाट भवन नामान्तरण विकास शाखा के भवन भुखण्ड लीज अवधि वृद्धि किराया अवधि वृद्धि के 292 प्रकरण रखे गये व्यापक विचार विमर्श के उपरान्त सभी प्रकरणो को निराकरण बैठक मे किया गया और उन्हे मंजूरी प्रदान की गई इस बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25 के मन्दसौर नगरपालिका परीषद मन्दसौर के आय व्यय (बजट) पर भी चर्चा की गई और अनुमानित आय व्यय बजट को पी आई सी की मंजूरी प्रदान की गई इस बैठक में मुख्य नगरपालिका अधिकारी सुधीर कुमार सिह न.पा. सभापति गण सत्यनारायण भाभी, श्रीमति कौशल्या बंधवार, निलेश जैन, श्रीमति निर्मला नरेश चंदवानी श्रीमति शांती दिनेश फरकीया, रमेश ग्वाला, एवं न.पा. की सभी शाखाओं के प्रमुख अधिकारी कर्मचारी गण एवं लेखाधिकारी गौरव नलवाया भी उपस्थित थे।

हिन्दू समाज के सोलह संस्कारों का उल्लंघन है प्री वेडिंग-पाण्डे

पश्चिमी संस्कृति के आभा मण्डल में अपनी भारतीय संस्कृति को ना भूले युवाजन

मंदसौर, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। सामाजिक कार्यकर्ता रविन्द्र पाण्डेय ने कहा कि पिछले 5-6 वर्षों से देश में भारतीय संस्कृति से होने वाले विवाह समारोह में एक नया प्रचलन प्री वेडिंग के रूप में सामने आया है। जिसको वर्तमान में ऐसे परिवारों द्वारा आयोजित किया जा रहा है जो समाज में उच्च परिवारों में माने जाते है। प्री वेडिंग जिसके तहत होने वाले दूल्हा- दुल्हन अपने परिवारजनो की सहमति से शादी से पूर्व फ़ोटोग्राफर के एक समूह के साथ देश के अलग-अलग सैर सपाटो की जगह, बडी होटलो, हेरिटेज बिल्डिंगों, समुद्री बीच व अन्य ऐसी जगहों पर जहाँ सामान्यत: पति-पत्नी विवाह उपरान्त जाते है वहां जाकर अलग- अलग और कम से कम परिधानों में एक दूसरे की बाहो में समाते हुए वीडियो शूट करवाते है और फिर ऐसी वीडियो फ़ोटोग्राफी को शादी के दिन एक बड़ी सी स्क्रीन लगाकर, जहाँ लडकी और लडके के परिवार से जुड़े तमाम रिश्तेदार मौजूद होंते है की उपस्थिति में सार्वजनिक रूप से उस कपल को वो सब करते हुए दिखाया जाता है जिनकी अभी शादी भी नहीं हुई है और जिनको जीवन साथी बनने के साक्षी बनाने और उन्हें आशीर्वाद देने के लिये ही सगे संबंधियो और सामाजिक लोगो को वहा बुलाया जाता है। जब वे रिश्तेदार जो नवयुगल को आशीर्वाद देने विवाह समारोह में प्रवेश करते है तो उन्हें गेट के अंदर घुसते ही जो देखने को मिलता है वह शर्मसार करने वाला होता है। जिस भावी कपल को हम वहा आशीर्वाद देने पहुँचते है। वो वहा पहले से ही एक दूसरे की बाहो में झूल रहे होंते है और सबसे बडी बात यह है की यह सब दोनों परिवारो की सहमति से होता है। ऐसे प्री-वेडिंग में प्राय: यह देखने में आता है कि लडका- लडकी कई दिन तक बाहर रहकर साथ में कई राते बिता चुके होंते है। यह शुरुआत अभी उन घरानो से हो रही है जो समाज के नेतृत्वकर्ता और समाज को राह दिखाने वाले बडे-बडेव धनाढ्य है जो समाज सुधार की दिशा में कार्यक्रम करते रहते है। ऐसे बडे परिवार ऐसी शादियों को जो अपने पैसो के बल पर इस प्रकार की गलत प्रवर्तियो को बढावा देकर समाज के छोटे तबके के परिवारो को संकट में डाल रहे है।

रविन्द्र पाण्डे ने समाज के उन सभी सभ्रांतजनो से अनुरोध किया है कि भारतीय संस्कृति जहां पवित्र सोलह संस्कारों से नवयुगल विवाह बंधन में बंधते है, मर्यादा होती है, शर्म होती है, बड़ों का आदर व सम्मान होता है उस समाज में ऐसी पश्चिमी विकृति को बढावा देने वाले परिवारो से ऐसी प्रवृत्ति को बंद करना चाहिए। अन्यथा ऐसी शादियों का सामाजिक बहिष्कार करे। तब ही ऐसी प्रवर्तियो पर रोक लगना संभव हो सकेगा। अन्यथा ऐसी संस्कृति से आगे चलकर समाज का इतना बड़ा नुकसान होगा जिसकी भरपाई कई पीढ़ियों तक करना संभव नहीं हो सकेगा और कुछ परिवारो की वजह से शादी जैसे पवित्र बंधन पर शादी से पूर्व ही एकबदनुमा दाग लगेगा। जिसका खामियाजा समाज के छोटे तबके को भुगतना पडेगा। जिसकी परिणीति में शादी से पूर्व सम्बन्ध टूटना या शादी के बाद तलाक की संख्या में वृद्धि के रूप में होंगी।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव कल रिजनल इंडस्ट्री कॉन्लेस का शुभारम्भ करेंगे

नीमच, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव एक मार्च 2024 को प्रात: 10.30 बजे उज्जैन में रिजनल इंडस्ट्री कॉन्लेस व 2024 का शुभाम्रभ तथा उज्जयिनी विक्रम व्यापार मेला एवं विक्रम सांस्कृतिक पर्व (विक्रमोंत्सव) का शुभारंभ करेंगे। मुख्यमंत्री सिंगल क्लिक के माध्यम से लाडली बहना योजना एवं लाडली लक्ष्मी योजना के तहत हितलाभ अंतरण, सामाजिक सुरक्षा पेंशन के हितग्राहियों कों किश्त का अंतरण भी करेंगे। साथ ही विक्रम पंचाग, आर्ष भारत, राम राजा व अन्य पुस्तकों का विमोचन एवं ओरछा के राजा राम, आडियों सीडी का विमोचन करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ.यादव उज्जैन में आयोजित इन्वेस्टर मीट में उद्योगपतियों से वन टू वन चर्चा भी करेंगे। इस कार्यक्रम का जिला स्तर पर आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में सीधा प्रसारण भी किया जावेगा।

हीरे की कटिंग व पॉलिश का कार्य सिखाने के लिये प्रशिक्षण होगा

मंदसौर, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। स्वर्णकार समाज जिलाध्यक्ष व स्वर्णकला बोर्ड के सदस्य अजय सोनी कॉलोनाइजर ने बताया कि स्वर्णकला बोर्ड के प्रयासों से हीरे की कटिंग एवं पॉलिश का काम सीखाने के लिये भोपाल में स्वर्णकार समाज के युवाओं के लिये प्रशिक्षण होने जा रहा है। प्रशिक्षण अवधि में युवाओं को 6500 रू. की राशि प्रतिमाह दी जायेगी। ऐसे युवा जिनकी आयु 18 से 30 वर्ष है तथा जिन्होनें 8वीं तक की परीक्षा उत्तीर्ण की है वे युवा इस प्रशिक्षण का लाभ ले सकते है। म.प्र. के स्वर्णकला बोर्ड के सदस्यों के प्रयासों से भोपाल में हीरे की कटिंग व पॉलिश का कार्य सिखाने की व्यवस्था हुई है। जो भी इस कार्य को सिखना चाहते है तथा जो भी इस योजना हेतु पात्र है वे अपना बायोडाटा जिसमें 4 पासपोर्ट साईज फोटो, आधार कार्ड की फोटोकॉपी, अंकसूची की फोटो कॉपी एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज लगाकर भोपाल के स्वर्णकला बोर्ड के कार्यालय पर सम्पर्क करे। आवश्यक होने पर 7974014051 या 9407480051 पर सम्पर्क कर सकते है।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	29	2141	2260
उडद	1	7000	7000
सोयाबीन	3100	3940	4540
गैहु	4200	2100	3021
चना	1001	4885	5601
मसुर	600	4760	5510
धनिया	1267	5101	6701
लहसुन	18000	4000	13300
मैथी	396	4951	6301
अलसी	0000	00000	00000
सरसो	3500	4250	4770
तारामीरा	0000	00000	00000
इसबगोल	6	6320	15700
प्याज	800	302	1942
कलोंजी	32	13801	17600
डॉलर	0000	0000	0000
तिल्ली	2	14300	14300
मटरसुखी	0000	00000	00000
असालीया	671	5700	7250

कार्यालय नगर पालिका परिषद् मन्दसौर (म.प्र)

नामातंरण विज्ञप्ति

क्रमांक-331/संपत्ति कर / 2024 — मन्दसौर दिनांक 28.02.2024

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय को निम्नलिखित भवनों/ भूमियों पर नामातंरण हेतु आवेदन पत्र प्राप्त हुए है। जिस किसी को इन आवेदनो पर आपत्ति हो तो उक्त विज्ञप्ति प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर आपत्ति मय ठोस दस्तावेज के साथ प्रस्तुत कर सकते है। समयावधि के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा तथा नियमानुसार नामातंरण की कार्यवाही की जावेगी। सूचित हो।

क्र.	प्रकरण क्र.	मोहल्ला	वार्ड नं.	प्लाट/ मकान नं.	नगर पालिका रिकार्ड में दर्ज नाम	अंतरण कराने वाले का नाम	किसके हक में अंतरण होगा	माध्यम/ आधार
1	131x7/2024	श्री सांई विहार	4	प्लांट नं.ई 60	कालो. हरीश पिता किशनचंद चंदवसनी व अन्य आदि।	चेतराम पिता भंवरलाल राठौर	अभिषेक पिता धर्मेन्द्र जैन	विक्रय पत्र
2	132x7/2024	कृष्णा कम्पाउण्ड	3	मकान नं. बी-8	सुरेन्द्रसिंह पिता माणकलाल नाहर	सुरेन्द्रसिंह पिता माणकलाल नाहर	संजय पिता राजेन्द्र सिंह नाहर	वसीयतनामा, शपथपत्र, मृत्यु प्रमाण
3	133x7/2024	नारायण नगर गोल्ड	33	प्लांट नं-88	शैलेन्द्र पिता सोहनलाल चौरड़िया	शैलेन्द्र पिता सोहनलाल चौरड़िया	रुखसारबी पति इलियास खां	विक्रय पत्र
4	134x7/2024	जनता कालोनी	8	मकान नं. ईडब्ल्यूएस ए-144	आशीष पिता विनोदकुमार मित्तल	आशीष पिता विनोदकुमार मित्तल	सीमा पति नवीन शोपुरकर	विक्रय पत्र
5	135x7/2024	सांवलिया विहार	39	प्लांट नं. बी-10	दिव्या पति विपीन गिरी	दिव्या पति विपीन गिरी	पंकज पिता बद्रीलाल तेलकार	विक्रय पत्र
6	136x7/2024	श्री शनि विहार	34	मकान नं. एलआईजी-3	संजय पिता अंबालाल जैन	स्व. संपतबाई पति अंबालाल गुगरवाल	अंबालाल पिता स्व. भागीरथ गुगरवाल	विक्रय पत्र
7	137x7/2024	कालीदास मार्ग खंड2	18	मकाननं.113का भाग	रामनारायण पिता राधाकिशन 2.भरतभूषण पिता राधाकिशन भाटोदरा	रामनारायण पिता राधाकिशन 2.भरतभूषण पिता राधाकिशन भाटोदरा	रानी पति सुरेशकुमार पाटनी	विक्रय पत्र
8	138x7/2024	प्रणाम विहार	37	प्लांट 5,6,7 व8	श्रवण पिता ख्यालीलाल अग्रवाल	श्रवण पिता ख्यालीलाल अग्रवाल	पिंकेश पिता शांन्तिलाल जरक	विक्रय पत्र
9	139x7/2024	नारायण नगर सिल्वर	33	प्लांट नं. - 235	शालीमार गोल्ड द्वारा भागीदार उपेन्द्र पिता दीपककुमार भूता, दीपक पिता जड़ावचंद भूता	शालीमार गोल्ड द्वारा भागीदार उपेन्द्र पिता दीपककुमार भूता, दीपक पिता जड़ावचंद भूता	नजमा बी पति मो. रुस्तम	विक्रय पत्र
10	140x7/2024	श्री जी पार्क	36	प्लांट नं. - 144	मेसर्स कमल रियल स्टेट मंदसौर द्वारा भागीदार संजय पिता जानकीलाल सिंहल	मेसर्स कमल रियल स्टेट मंदसौर द्वारा भागीदार संजय पिता जानकीलाल सिंहल	महेश पिता सत्यनारायण अग्रवाल	विक्रय पत्र
11	141x7/2024	श्री जी पार्क	36	प्लांट नं. - 151	मेसर्स कमल रियल स्टेट मंदसौर द्वारा भागीदार संजय पिता जानकीलाल सिंहल	मेसर्स कमल रियल स्टेट मंदसौर द्वारा भागीदार संजय पिता जानकीलाल सिंहल	नरेन्द्रकुमार पिता ग्यारसीलाल अग्रवाल	विक्रय पत्र
12	142x7/2024	श्री जी पार्क	36	प्लांट नं. - 147	मेसर्स कमल रियल स्टेट मंदसौर द्वारा भागीदार संजय पिता जानकीलाल सिंहल	मेसर्स कमल रियल स्टेट मंदसौर द्वारा भागीदार संजय पिता जानकीलाल सिंहल	गोविंदकुमार पिता बेनीप्रसाद गर्ग	विक्रय पत्र
13	143x7/2024	श्री जी पार्क	36	प्लांट नं. - 148	मेसर्स कमल रियल स्टेट मंदसौर द्वारा भागीदार संजय पिता जानकीलाल सिंहल	मेसर्स कमल रियल स्टेट मंदसौर द्वारा भागीदार संजय पिता जानकीलाल सिंहल	गोविंदकुमार पिता बेनीप्रसाद गर्ग	विक्रय पत्र
14	144x7/2024	श्री जी पार्क	36	प्लांट नं. - 150	मेसर्स कमल रियल स्टेट मंदसौर द्वारा भागीदार संजय पिता जानकीलाल सिंहल	मेसर्स कमल रियल स्टेट मंदसौर द्वारा भागीदार संजय पिता जानकीलाल सिंहल	नरेन्द्रकुमार पिता ग्यारसीलाल अग्रवाल	विक्रय पत्र
15	145x7/2024	श्री जी पार्क	36	प्लांट नं. - 149	मेसर्स कमल रियल स्टेट मंदसौर द्वारा भागीदार संजय पिता जानकीलाल सिंहल	मेसर्स कमल रियल स्टेट मंदसौर द्वारा भागीदार संजय पिता जानकीलाल सिंहल	गोविंदकुमार पिता बेनीप्रसाद गर्ग	विक्रय पत्र

राजस्व अधिकारी
नगर पालिका मन्दसौर (म.प्र.)

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद मन्दसौर (म.प्र.)

समाजसेवी खेल प्रेमी विनोद गर्ग नहीं रहे

अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में गणमान्य जनों ने श्रद्धांजलि दी

मंदसौर, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। खेल प्रेमी एवं सामाजिक और धार्मिक क्षेत्र में हमेशा अग्रणी रहने वाले श्री विनोद गर्ग अंबिका का 69 वर्ष की आयु में अल्प बीमारी के चलते देहावसान हो गया आप अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड गए। श्री गर्ग पिछले एक माह से इंदौर में उपचारत थे। उपचार के दौरान परिवार जनों ने श्री गर्ग की काफी सेवाएं की, लेकिन ईश्वर के आगे किसी के नहीं चलती है और 27 फरवरी को श्री गर्ग हमेशा के लिए चीरनिद्रा में लीन हो गए। श्री गर्ग की अंतिम यात्रा मंदसौर में उनके निवास स्थान शिवजी बसेर नगर मेघदूत नगर से राम धुन के साथ निकली।अंतिम यात्रा में बडी संख्या में अग्रवाल समाज के अलावा नगर के अन्य समाज के प्रमुखजन, उद्योगपति , गणमान्य जनों ने सम्मिलित होकर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

मुक्ति धाम पर श्री गर्ग की चिता को मुखाग्नि परिजनों ने दी। शोक सभा में सकल जैन समाज के अध्यक्ष प्रदीप कीमती, पूर्व अध्यक्ष गजराज जैन ,डॉक्टर गोविंद छापरवाल, डॉक्टर प्रदीप चेलावत, डॉक्टर आलोक मेहता ,अग्रवाल समाज देसी पंचायत के अध्यक्ष आशीष गुप्ता, अमरकांत गर्ग ,सुधाकांत गर्ग ,केशव सत्संग भवन ट्रस्ट के अध्यक्ष जगदीश सेठिया ,समाजसेवी दृष्टानंद नेनवानी, रोटरी क्लब के पूर्व अध्यक्ष गण विमल मेहता ,कारूलाल सोनी, प्रत्रकार महेश जैन,पहलाद मिर्ची वाला, संतोष गोयल, रणजी क्रिकेट क्लब के पंडित अरुण शर्मा ,हेमंत अग्रवाल ,सनत कागला ,कथा वाचक कृष्णानंदजी , कुलदीप सिसौदिया सहित अन्य गणमान्य जनों ने श्री गर्ग के जीवन पर प्रकाश डालते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। शोक सभा का संचालन नंदकिशोर अग्रवाल हक्कु भाई ने किया।

अधिक आवक के चलते मंडी में बढ़ी अव्यवस्था

दिनभर बंद रही नीलामी शाम को शुरु हुई, आधे घंटे बाद फिर बंद, व्यापारी, किसान व हम्मालों का विरोध जारी

पिपलियामंडी, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। लहसुन की अधिक आवक के चलते कृषि मंडी में दिनभर लहसुन की नीलामी नही हो पाई। जिससे अक्रोशित किसानों ने मंडी के बाहर सडक पर जाम लगा दिया। बाद में एसडीएम, तहसीलदार व पुलिस बल की मौजूदगी में बैठक हुई और किसानों की परेशानी को देखते हुए शाम को नीलामी शुरु हुई, जो आधे घंटे बाद फिर बंद हो गई।

जानकारी के अनुसार पिपलिया कृषि उपज मंडी में इन दिनों लहसुन की हो रही बंपर आवक के चलते अव्यवस्थाएं बढ गई है। कृषि मंडी के बाहर दूर-दराज क्षेत्रों से पिकअप व मिनी ट्रक में लहसुन लेकर आए किसान मंडी के सामने एक साइड पर अपने वाहन अव्यवस्थित खडे कर रहे है, इस कारण जाम की स्थिति निर्मित हो रही है। दुपहिया वाहन से लहसुन लेकर आ रहे क्षेत्र के किसान मंडी में निर्धारित स्थान के बजाए रास्ते में ही लहसुन खाली कर रहे है। इस कारण नीलामी से लेकर लहसुन को लोड करने में भी व्यापारियों व हम्मालों को परेशानी का सामना करना पड रहा है। बुधवार को भी अधिक आवक के चलते अव्यवस्थाएं रही। किसानों ने बीच सडक पर ही लहसुन के ढेर लगा दिए, इससे व्यापारियों की परेशानी बढ गई। व्यापारियों का कहना था कि निकलने की जगह नही है तो नीलामी कैसे करेंगे ? लहसुन को गोदाम तक ले जाने की जगह भी मंडी में नही बची है। हम्माल लहसुन गोदाम तक नही ले जा पा रहे है। सुबह 10 बजे से ही नीलामी शुरु नही हो पाई। घंटों मंडी बंद रहने से किसान आक्रोशित हो गए। किसानों का कहना था कि हम अपनी लहसुन की नीलामी को लेकर दिनभर से परेशान हो रहे है। नीलामी नही होने से परेशान किसानों ने मंडी के बाहर जाम लगा दिया और नारेबाजी करने लगे। पुलिस ने जैसे-तैसे जाम खुलवाया। जाम की सूचना पर अपर कलेक्टर राहुल पाटीदार, एसडीएम विवेक सोनकर, तहसीलदार ब्रजेश मालवीया, मंडी सचिव पीएम सिसोदिया, सहायक उप निरीक्षक निरीक्षक कमलेश जैन ने मंडी चालू कराने के लिए मंडी कार्यालय में व्यापारियों, हम्मालों व किसानों की बैठक ली। समझाइश के बाद शाम को 4 बजे मंडी चली। लेकिन, कुछ देर बाद ही हम्मालों ने विरोध कर दिया और नीलामी रुकवा दी। हम्मालों का कहना था की इतनी देर से मंडी की नीलामी चालू कराई तो लहसुन की तुलाई कब करेंगे। प्रशासनिक अधिकारियों व मंडी प्रशासन ने निर्णय लिया कि शनिवार तक किसी भी नए वाहन का मंडी के भीतर प्रवेश नही होगा। सोमवार से व्यवस्थाओं में सुधार करने के लिए वाहनों को सडक पर खडा करने के बजाए अन्यत्र खडा करने की व्यवस्था कराने की बात कही। बुधवार को मंडी में करीब 15 हजार बोरी आवक रही, लेकिन 2 हजार बोरी की ही नीलामी हो पाई मंडी गेट के बाहर भी करीब 250 वाहन कतार में लगकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे है। यहां तैनात पुलिस बल भी व्यवस्था नही संभाल पा रहा है।

लहसुन से भरा पिकअप वाहन पलटा, किसान गंभीर घायल

पिपलियामंडी, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। फोरलेन पर लहसुन भरा पिकअप वाहन पलटने से पिकअप में सवार किसान गंभीर घायल हो गया। जिसे टोल प्लाजा पैरामेडीकल टीम ने मंदसौर भर्ती कराया। जानकारी के अनुसार सनावदा (बडनगर) निवासी सुरेन्द्रसिंह (40) पिता मोहनसिंह पिकअप (एमपी 13 जीबी 4302) में लहसुन लेकर पिपलिया कृषि उपज मंडी आया था, लेकिन यहां भीड अधिक होने व नीलाम नही होने से किसान अपनी उपज नारायणगढ से मल्हारगढ मह्-नीमच मार्ग से मंदसौर कृषि मंडी ले जा रहा था। बुधवार दोपहर 12.30 बजे करीब बरखेडापंथ ओवरब्रिज पर संतुलन बिगडने से पिकअप पलट गया। पिकअप ड्राइवर चला रहा था, वहीं किसान पीछे लहसुन के कट्टों पर बैठा था। पिकअप के पलटने से किसान गंभीर घायल हो गया, जिसे मूह पर गंभीर चोंट आई। सूचना पर बही टोल प्लाजा पैरामेडीकल टीम के जुझारसिंह मौके पहुंचे, किसान को मंदसौर जिला अस्पताल भर्ती कराया। जिसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

गलत पार्किंग का विरोध करने पर भाजपा नेता को दी जान से मारने की धमकी..!

नीमच, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। सीआरपीएफ रोड पर बाइक सवार 3 युवकों ने भाजपा मीडिया सह प्रभारी विकास नामदेव को घेरकर पहले गालियां दी, इसके बाद जान से मारने की धमकी देकर भाग निकले।

पुलिस को दिए गए अपने आवेदन में श्री नामदेव ने बताया कि मैं सीआरपीएफ रोड नीमच में रहता हूं। टेलरिंग करता हूं। 18 फरवरी 2024 को रात करीब 9.45 बजे वाहन पार्किंग की बात को लेकर मेरे घर के पास स्थित हाई-फाई रेस्टोरेन्ट संचालक अमन जैन को आपत्ति दर्ज करवाई थी। पार्किंग व्यवस्था सुधारने का निवेदन किया था। इस पर अमन जैन, संतोष चोपड़ा, हर्षित चोपड़ा, आकाश जैन, बब्बू चोपडा, नवरतन चोपडा, योगेश बागडी, संयम चोपडा, जयस राज सैनी व कमलेश धनगर सहित अन्य लोगों ने हाथापाई की थी। इस विवाद के दौरान अन्य लोगों की समझाइश से विवाद शांत हो गया था। इसके बाद मैंने रिपोर्ट नहीं की थी।

मंगलावर 27 फरवरी को मैं दोपहर करीब 12.15 बजे सीआरपीएफ रोड पर सुप्रीम अलाइनमेंट व पग श्रृंगार शोरूम के बीच खड़ा होकर एक अन्य व्यक्ति से बात करके जा रहा था तभी पीछे से तीन अज्ञात युवक बाइक से आए व मेरा रास्ता रोक लिया। गालियां देते हुए बोले कि तू ही विकास नामदेव है क्या, तेरा ही संतोष चोपड़ा से विवाद हुआ था। तीनों ने मेरा रास्ता रोककर जान से मारने की धमकी दी। मैं जान बचाने के लिए मौके पर गाडी छोडकर भाग गया। मैं उनका नाम-पता नहीं जानता हूं। यह घटना प्रियांशु लोढा व फाइव स्टार पान वाले ने देखी है। मामले की जांच कर सभी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें।

देशी तरीके से होगा पशुओं का उपचार

मंदसौर, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य बनने जा रहा जो एंटीबायोटिक स्टैंडर्ड ट्रीटमेंट गाइड लाइन शुरु करेगा। इसके लिए प्रदेश सरकार को ड्राफ्ट भेज दिया गया है। पशुओं के एंटीबायोटिक दवा लेने से इसका सीधा असर लोगों की सेहत पर पड़ता है। जिसके लिए पशु पालन विभाग की ओर से गाइडलाइन तैयार की जा रही है। अब देशी पद्धति अर्थात आयुर्वे दिक दवाओ से मवेशियो का उपचार किया जाएगा।

इसलिए होगा आयुर्वेद दवाओं का इस्तेमाल...

दूध देने वाले पशुओं को उपचार के दौरान एंटीबायोटिक दवा दी जाती है जिसका असर ऐसे मवेशियो के दूध का सेवन करने वाले लोगों की सेहत पर पड़ता है। जब बीमार व्यक्ति दूध का सेवन करता है तो उसपर एंटीबायोटिक दवा का असर कम होता है। इसी को देखते हुए पशु पालन विभाग द्वारा फैसला लिया गया है। पशुओं के उपचार में पहली बार वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति को शामिल किया गया है। इसके लिए गाइडलाइन भी तैयार की जा रही है।

एक साल में तैयार हो जाएगी गाइडलाइन...

पशुपालन विभाग कहना है कि पशुओं के लिए गाइडलाइन तैयार की जा रही है। इसके अंदर प्रमुख बीमारियों की दवाओं की जानकारी दी जाएगी। इस गाइडलाइन में ध्यान रखा जाएगा कि एंटीबायोटिक दवाओं का इस्तेमाल कम से कम किया जाए। इस गाइडलाइन को बनने में कम से कम एक साल का समय लग जाएगा। अगर ऐसा हो जाएगा तो मध्य प्रदेश देश का पहला राज्य बन जाएगा जो एंटीबायोटिक स्टैंडर्ड ट्रीटमेंट गाइडलाइन का पालन करेगा।

सदगुरु बिना सच्चा ज्ञान नहीं -साध्वी प्रिया

नीमच, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। हरि कृपा बिना सत्संग नहीं मिलता और सत्संग बिना विवेक नहीं मिलता है।और सद्गुरु बिना सच्चा ज्ञान नहीं मिलता है।बुराई रूपी अंधेरे से अच्छाई रुपी उजाले की ओर ले जाए वही सतगुरु होता है।

यह बात संत श्री भक्ति प्रिया इंदौर की शिष्या एवं ईश्वरीय प्रेम आश्रम इंदौर की साध्वी विष्णु प्रिया जी ने कहीं।वे बुधवार 28फरवरी को भागेश्वर महादेव आश्रम में सुबह 9 बजे आयोजित धार्मिक सत्संग प्रवचन में बोल रही थी। उन्होंने कहा कि संसार में रहते हुए व्यक्ति जो अपने लिए सोचता है वह चिंता में डूबा रहता है लेकिन जो दूसरों के कल्याण के लिए सोचता है वह आनंद के साथ जीवन जीता है। उस

व्यक्ति की चाहना दूसरों के लिए हो जाएगी और वह परमात्मा की कृपा में बदल जाती है। फिर उसके पास कुछ भी नहीं होते हुए भी वह सम्राट की तरह जीवन जीता है।गुरु के प्रति सच्ची भावना और विश्वास के साथ समर्पण करते हैं तो गुरु हमें परम आनंद की अनुभूति कराते हैं ।गुरु की आज्ञा में रहना कठिन है।अच्छी रुचि अच्छे गुरु की शरण में आने से मिलती है। गुरु आज्ञा पर यदि चलना है तो त्याग कर स्वयं को मिटाना सीखना होगा। हमारे सामने कोई प्रतिकूल परिस्थिति आती है तो हमारे मन को पीडा होती है ।गुरु आज्ञा का पालन सबसे बडी सेवा होती है जिसने गुरु की महिमा को समझ लिया गुरु के वचनों को समझ लिया। गुरु के वचनों के प्रति समर्पण भाव रखता है तो गुरु भवसागर के पार ले जा सकते हैं। गुरु के प्रति सच्ची पूर्ण श्रद्धा होने के बाद ही गुरु आशीर्वाद प्रदान करते हैं। अच्छे और सच्चे शिष्य को ही ढूंढते हैं और उसे ही वह ज्ञान प्रदान करते हैं।गुरु और शिष्य के विचारों में भेदभाव नहीं होता है। शिष्य में पात्रता होती है तभी गुरु उसे ज्ञान प्रदान करते हैं।संसार के लोग गुरु के पास अपनी समस्या का निराकरण लेने जाते हैं उनके पास आत्मा के प्रेम को लेने कोई नहीं जाता है गुरु सदैव आत्मा के प्रेम रुपी आशीर्वाद देने को तत्पर रहते हैं। तुलसीदास जी के अनुसार बिना गुरु के सत्संग और विवेक नहीं मिलता है। महान संत बुराई में से भी अच्छाई को निकाल कर सभी का भला सोचते हैं।अच्छे संतों की संगत में रहने से बुरे व्यक्ति भी सुधर जाते हैं। विभिन्न प्रश्नों के उत्तर साध्वी विष्णु प्रिया जी के मुखारविंद से श्रद्धालु भक्तों को मार्गदर्शन के रूप में प्रदान किया जा रहे हैं। संत श्री भक्ति प्रिया इंदौर की शिष्या ईश्वरीय प्रेम आश्रम इंदौर की साध्वी विष्णु प्रिया जी के अमृत प्रवचन श्री राम कथा पर आधारित सत्संग ज्ञान गंगा प्रतिदिन भागेश्वर महादेव आश्रम पर 24 फरवरी से 10 मार्च तक सुबह 9 से 10.30 बजे तक प्रवाहित हो रही हैं।

महाविद्यालय में मनाया राष्ट्रीय वैज्ञानिक दिवस

पिपलियामंडी, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। शासकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया। संस्था के प्राचार्य डॉ. आरके श्रीवास्तव ने बताया की राष्ट्रीय विज्ञान दिवस भारतीय भौतिक विज्ञानी चंद्रशेखर वेंकट रमन ने रमन प्रभाव की खोज के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। यह दिन समाज में वैज्ञानिक सोच को बढावा देने और छात्रों को विज्ञान को करियर के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित करने के लिए मनाया जाता है। डॉ पूजा जाटवा ने बताया कि यह अवसर हमारे राष्ट्र के विकास में हमारे वैज्ञानिक समुदाय के योगदान की सराहना करने और उसके बारे में सार्वजनिक जागरूकता तथा लोगों को नवीनतम वैज्ञानिक प्रगति के बारे में शिक्षित करती हैं और उनमें वैज्ञानिक स्वभाव तथा तर्कसंगत सोच पैदा करती हैं।

रासेयो इकाई शिविर के द्वितीय दिवस में स्वयं सेवकों ने युवा मतदाताओं को जागरूक किया

मंदसौर, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। शास. स्नातकोत्तर (अग्रणी) महाविद्यालय मन्दसौर के प्राचार्य डॉ. एल.एन. शर्मा ने बताया कि महाविद्यालय की रासेयो इकाई द्वारा आदर्श ग्राम पंचायत बालागुडा के सौजन्य से आयोजित इकाई स्तरीय सप्त दिवसीय रासेयो शिविर के द्वितीय दिवस प्रभातफेरी में ग्राम बालागुढा के मतदाताओं को सशक्त लोकतंत्र के निर्माण हेतु जागरूक किया। स्वयंसेवक विद्यार्थियों ने डॉ. के.आर. सूर्यवंशी, प्रो. अनिल कुमार आर्य, डॉ. गोरा मुवेल, प्रो. प्रहलाद भट्टएवं प्रो. रीतु शर्मा के नेतृत्व में ग्राम में रैली निकालकर युवा मतदाताओं को मतदान करने हेतु जागरूक किया। तत्पश्चात प्राध्यापकों द्वारा विद्यार्थियों को

परेड, योग एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया गया।

प्रथम दिवस की परियोजना के रूप में विद्यार्थियों ने एकीकृत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बालागुढा के परिसर को प्लास्टिक एवं कचरा मुक्त किया। स्वयंसेवकों ने विद्यालय में स्थित वाटिका की गाजर घास उन्मूलन कर अनावश्यक घास और कटिली झाड़ियों से मुक्त किया और पौधों के चारों ओर क्यारियों का निर्माण किया। द्वितीय दिवस के बौद्धिक सत्र में महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य एवं प्रशासनिक अधिकारी डॉ. बी.आर. नलवाया ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना को आप सही मायने में समझ पाए तो आप शून्य से शिखर तक जा सकते हैं। उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना की यात्रा एवं अनुभवों को साझा किया। उन्होंने कहा कि एनएसएस के माध्यम से आप समस्त स्वयंसेवक सपने देखकर उन्हें पूरा कर सकते हैं। वहीं अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. एस. पी. पंवार ने एनएसएस के माध्यम से सीखाएँ श्रम, अनुशासन, व्यक्तित्व विकास आदि के महत्त्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर शास. उ.मा. विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य मनोहर सोनी, शिक्षक कमलेश पाटीदार एवं स्टॉफ के सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवक राधिका बैरागी एवं आभार प्रो. रीतु शर्मा ने माना।

उड़नदस्ता द्वारा परीक्षाओं का औचक निरीक्षण

मंदसौर, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एल.एन. शर्मा ने बताया कि महाविद्यालय में संचालित की जा रही बी.ए.बी.एडब बी.एस-सी.बी.एड. एवं विधि परीक्षाओं का प्राचार्य एवं स्थानीय उडनदस्ते द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कोई भी नकल प्रकरण दर्ज नहीं हुआ।

16 वर्षीय बालिका का अपहरण कर बलात्कार करने वाले...

एक आरोपी को दोहरा आजीवन कारावास तथा सहयोग करने वाले 3 आरोपियों को 3-3 वर्ष का सश्रम कारावास

जावद, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। श्रीमान संदीप कुमार जैन, विशेष न्यायाधीश महोदय, (पॉक्सों एक्ट), जावद द्वारा 16 वर्षीय नाबालिक पीडिता का अपहरण करके उसके साथ बलात्कार करने वाले आरोपी सरफराज उर्फ गुलजार पिता गुलशेर खां, उम्र-24 वर्ष, निवासी-ग्राम हरिपुरा थाना रतनगढ, जिला नीमच को धारा 376(3), भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के अंतर्गत आजीवन कारावास एवं 500रू अर्थदण्ड, धारा 5(एल)/6 लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 के अंतर्गत आजीवन कारावास एवं 500रू अर्थदण्ड, धारा 368, भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के अंतर्गत 03 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 500रू अर्थदण्ड, धारा 366 भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के अंतर्गत 03 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 500रू अर्थदण्ड व धारा 120बी भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के अंतर्गत 03 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 500रू अर्थदण्ड से दण्डित किया तथा सहयोग करने वाले तीन आरोपीगण (1) गुलशेर मोहम्मद पिता शब्बीर खां, उम्र-52 वर्ष, निवासी-ग्राम हरिपुरा, थाना रतनगढ, जिला नीमच, (2) सुल्ताना पिता गुलशेर खां, उम्र-22 वर्ष, निवासी-ग्राम हरिपुरा, थाना रतनगढ, जिला नीमच व (3) मोसिन खां उर्फ मोहसीन खां पिता शेर खां, उम्र-28 वर्ष, निवासी-ग्राम झलरिया, थाना बडनगर, जिला उज्जैन तीनों को धारा 368, भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के अंतर्गत 03 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 500रू अर्थदण्ड, धारा 366 भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के अंतर्गत 03 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 500रू अर्थदण्ड व धारा 120बी भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के अंतर्गत 03 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 500रू अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी करने वाले विशेष लोक अभियोजक श्री योगेश कुमार तिवारी द्वारा घटना की जानकारी देते हुए बताया कि 16 वर्षीय पीडिता तहसील जावद क्षेत्र में उसके मामा-मामी के साथ रहती हैं। दिनांक 18 सितम्बर 2019 को आरोपी सरफराज के पिता गुलशेर तथा बहन सुल्ताना दोनों ने पीडिता को शादी के लिए बहला-फुसलाकर मोटरसाईकल से आरोपी सरफराज उर्फ गुलजार के पास ले गये थें। गुलजार पीडिता को अपने साथ बस से रतलाम ले गया जहां उसे आरोपी मौसिन खां मिला उसने दोनों को रतलाम के एक होटल में रूकवाने की व्यवस्था की थी। इसके बाद अगले दिन सरफराज उर्फ गुलजार पीडिता को बस से इंदौर ले गया था, फिर इंदौर से ग्वालियर शादी का बहना करके ले गया था, फिर ग्वालियर में वह एक होटल में एक महिने भर तक रूके थे, जिसके बाद वह उसे अजमेर ले गया था, जहां वे एक होटल में 15 दिन रूके थें। इसी दौरान आरोपी सरफराज उर्फ गुलजार द्वारा पीडिता के साथ बलात्कार किया गया था तथा आरोपी पीडिता को कहता था कि जब तुम 18 वर्ष की हो जाओगी तब शादी करूंगा। इसके बाद आरोपी सरफराज पीडिता को कोटा ले गया था, जहां वे एक होटल में 15 दिन रूके थे, फिर कोटा से वापिस अजमेर आये तो आरेपी गुलशेर से पता चला कि पुलिस पीडिता को ढूंढ रही हैं। इसके बाद पीडिता तथा आरोपी दोनों रावतभाटा गये जहां पर पुलिस ने पीडिता को आरोपी के कब्जे से दस्तयाब कर लिया गया था। विवेचना के दौरान सभी आरोपीगणों को गिरफ्तार किया गया, पीडिता का मेडिकल करवाया गया व उसकी उम्र के संबंध में आवश्यक साक्ष्य एकत्रित की गई तथा अनुसंधान पूर्ण कर अभियोग पत्र विशेष न्यायालय (पॉक्सों एक्ट), जावद में प्रस्तुत किया गया। अपराध की गंभीरता को देखते हुए शासन द्वारा इस प्रकरण को जघन्य एवं सनसनीखेज प्रकरण के रूप में चिन्हित किया गया। अभियोजन द्वारा माननीय विशेष न्यायालय, जावद के समक्ष विचारण के दौरान पीडिता, फरियादी व विवेचक सहित सभी वैज्ञानिक एवं इलैक्ट्रोनिक साक्ष्य प्रस्तुत कर अभियुक्तगण के विरूद्ध अपराध को संदेह से परे प्रमाणित कराया गया एवं घटना की गंभीरता को देखते हुए उनको कठोर दण्ड से दण्डित किये जाने का निवेदन किया गया, जिससे सहमत होकर माननीय न्यायालय द्वारा आरोपीगण को उपरोक्त दण्ड से दण्डित किया गया। न्यायालय में शासन की ओर से पैरवी विशेष लोक अभियोजक श्री योगेश कुमार तिवारी द्वारा की गई।

कुत्तों के आतंक से मंदसौर शहरवासी परेशान

मंदसौर, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। शहर में दिनों दिन बढरही आवाराकुत्तों की संख्या से संपूर्ण मंदसौर शहर वासी परेशान है। नेता प्रतिपक्ष रफत पयामी ने एक प्रेस वक्तव्य के माध्यम से बताया कि मंदसौर शहर में दिनों दिन आवारा कुत्तों की समस्या बढती जा रही है कुत्तों का झुंड एक साथ हर गली हर मोहल्ले में घूमते हुए पाए जाते हैं जिससे राहगीरों को छोटे बच्चों को बुजुर्गों को आगमन में बहुत समस्या रहती है। कुत्ते अकेले राहगीरों को देखकर उनके पीछे दौडते हैं संपूर्ण शहर में यह हालात बने हुए हैं मंदसौर नगर पालिका को भी कई बार ध्यान आकर्षित करवाया गया है लेकिन समस्याओं का हाल निदान नहीं हो पाया है। मंदसौर नगर पालिका के अधिकारियों से जब इस संबंध में चर्चा की जाती है तो वह सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला दे देते हैं। जबकि सुप्रीम कोर्ट के आदेश में कैंची से कुत्तों को नहीं पकडने का आदेश है उसका अन्य उपाय करके इस समस्या का समाधान किया जाना चाहिए क्योंकि मानव जाति से बढकर कोई और जाति नहीं है। आवार कुत्तौ से दुर्घटनाओं का हमेशा भय बना रहता है श्री पयानी ने अपने वक्तव्य में बताया कि इस समस्या का समाधान मंदसौर नगर पालिका को बहुत गंभीरता से और तुरंत करना चाहिए क्योंकि यह नगर पालिका का दायित्व भी है कर्तव्य भी है। अगर इस कर्तव्य और दायित्व का निर्वहन नहीं किया गया तो आम जनों को लेकर बहुत जल्द कोई उग्र आंदोलन किया जाएगा।

कार्यालय पंजीयन प्राधिकरण एवं जिला परिवहन अधिकारी मंदसौर (मप्र)

क्रमांक-क्यू मंदसौर, दिनांक-28.02.2024

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं निशा शर्मा पिता कैलाशचंद्रजी जनकुपूरा मंदसौर आधार कार्ड के अनुसार पति का नाम ड्रायविंग लायसेंस में परिवर्तन कर अंशुमन शर्मा करवाना चाहती हूं।

इस संबंध में जिस व्यक्ति को आपत्ति हो तो वो विज्ञप्ति प्रकाशन के सात दिवस के अंदर इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि के पश्चात प्रस्तुत किसी आवेदन पर विचार नहीं किया जावेगा व नाम परिवर्तन कर दिया जावेगा।

गलत नाम	सही नाम
मिस निशा शुक्ला	निशा शर्मा

अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, मंदसौर

कुंवर भगवानसिंह सोनीगरा

अभिभाषक (एम.कॉम, बी.एड, एलएलबी)

कार्यालय-201, कोणार्क अपार्टमेंट, शुक्ला कालोनी, मंदसौर (म.प्र.)मो-9926570570

दिनांक 28/02/2024

❊❊❊ जाहिर सूचना ❊❊❊

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने प्रतीक पिता अनिल भण्डारी, निवासी गौतम नगर, कालाखेत, मन्दसौर से उनके संयुक्त स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य की भण्डारी कॉलोनी, ग्राम दलौदा चौपाटी, तहसील दलौदा जिला मन्दसौर स्थित भूमि सर्वे क्रमाक 124 रकबा 1.019 हैं. में निहित अपने हक हिस्से की भूमि में से 3000 वर्गफिट, भूमि जिसकी चर्तुसीमा एवं पैमाईश निम्नवत् है-

पूर्व में-विनोद कुमार पिता सुन्दरलालजी का मकान, पश्चिम में-रास्ता, उत्तर में-मुन्ना खां पिता अब्बु खां का मकान, दक्षिण में-रास्ता, पैमाईश-पूर्व से पश्चिम 20 फिट, उत्तर से दक्षिण 150 फिट। कुल क्षेत्रफल - 3000 वर्गफिट

को मेरे पक्षकार ने क्रय करने का सौदा तय कर बयाना राशि अदा कर दी हैं, तथा उक्त सम्पत्ति के विक्रय पत्र का पंजीयन शीघ्र ही मेरे पक्षकार के हक में करवाया जाना हैं। यदि उक्त सम्पत्ति के विक्रय के संबंध में किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक, अर्धशासकीय बैंक, अथवा अन्य किसी वित्तीय संस्था आदि को किसी भी प्रकार की कोई उज्र/आपत्ति हो तो वह इस जाहिर सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर मय दस्तावेजी प्रमाण सहित लेखी आपत्ति मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करें, अन्यथा बाद अवधि मेरे पक्षकार द्वारा विक्रय पत्र का पंजीयन करा लिया जावेगा। इसके पश्चात् कोई भी आपत्ति मान्य नही की जावेगी। सो सूचित हो।

कुं. भगवानसिंह सोनीगरा
अधिवक्ता, मंदसौर

दैनिक गुरु एक्सप्रेस के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित विवरण

फार्म 4 (नियम 8 देखिये)

1. प्रकाशन का स्थान - मंदसौर
2. प्रकाशन की अवधि - दैनिक
3. मुद्रक का नाम - आशुतोष नवाल
क्या भारतीय नागरिक है - हाँ
पता - 77, लक्ष्मीनगर वेदान्त विहार मंदसौर (म.प्र.)
4. प्रकाशक का नाम - आशुतोष नवाल
क्या भारतीय नागरिक है - हाँ
पता - 77, लक्ष्मीनगर वेदान्त विहार मंदसौर (म.प्र.)
5. प्रधान संपादक - आशुतोष नवाल
पता-77, लक्ष्मीनगर वेदान्त विहार मंदसौर (म.प्र.)
क्या आप भारतीय नागरिक है - हाँ
यदि विदेशी हो तो मूल देश - ×
पता
6. उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हो तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हो।- आशुतोष नवाल

मैं आशुतोष नवाल एतद् द्वारा घोषणा करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिये गये विवरण सत्य है।

दिनांक - 28 फरवरी 2024 आशुतोष नवाल
प्रकाशक के हस्ताक्षर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in